ÉCOLE FRANÇAISE D'EXTRÊME-ORIENT

START

244

# गोश्रीमहाराजसंस्कृत-
# ग्रन्थशालायां ताडपत्रलिखित-
# ग्रन्थाः.

संकलय्य 1839 ग्रन्थाः

पूर्णवेदपुरी (तृप्पूणित्तुर)

# List of palm-leaf manuscripts in the Maharaja's Grantha Library

Tripunithura.

Trip. – I.

(1)

# गोश्रीमहाराजसंस्कृत-
# लैब्रेरिस्थाः ताळपत्रलिखित-
# ग्रन्थाः.

संकलय्य 1839 ग्रन्थाः

पूर्णवेदपुरी (तृप्पूणित्तुर)

List of palm-leaf manuscripts in the
Maharaja's Grantha Library
Tripunithura.

"Trippunithura I"

| L. No. | S. No. | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 315 | 1 | रत्नकेतूदयम् | कालहस्तिकवि-सूनुबालकविः | पूर्णं | |
| " | 2 | उत्तररामचरितम् | भवभूतिः | पूर्णं | |
| 316 | 3 | नागानन्दम् | श्रीहर्षः | 4 अङ्काः | |
| 317 | 4 | शाकुन्तलम् | कालिदासः | पूर्णं | |
| 318 | 5 | नागानन्दम् | श्रीहर्षः | पूर्णं | |
| " | 6 | संवरणम् | कुलशेखरवर्मा | पूर्णं | |
| 319 | 7 | भाणम् | महिषमङ्गलद्विजः | पूर्णं | |
| " | 8 | कौटिविरहः | | पूर्णं | |
| 321 | 9 | रत्नावली | श्रीहर्षः | | |
| 323 | 10 | अनर्घराघवः | मुरारिः | | |
| 324 | 11 | अनर्घराघवः | मुरारिः | | |
| 328 | 12 | नागानन्दम् | श्रीहर्षः | | |
| " | 13 | दूतवाक्यम् | | अपूर्णं | |
| " | 16 | महावीरचरितम् | | 5 अङ्काः | |
| 329 | 17 | धनञ्जयम् | कुलशेखरवर्मा | | |
| " | 18 | तपतीसंवरणनाटकम् | " | षष्ठाङ्के प्रथमभागविधि | |
| " | 19 | उत्तररामायणम् | | अपूर्णं | केरलभाषा |
| 330 | 20 | सौगन्धिकाहरणम् | | पूर्णं | |
| " | 21 | बालभारतम् | अगस्त्यकविः | प्रथम-सर्गः | काव्यम् |
| 331 | 22 | संवरणम् | कुलशेखरवर्मा | अपूर्णं | प्रथमाङ्के अन्त्याङ्के च कीत-वयशागो नष्टः |
| " | 23 | नागानन्दम् | श्रीहर्षः | अपूर्णं | अन्ते किञ्चि-दुक्तम् |
| 328 | 14 | रामायणम् | | अपूर्णं | |
| " | 15 | दूतवाक्यम् | | अपूर्णं | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 332 | 24 | मुद्राराक्षसम् | विशाखदत्तः | अङ्कषट्कं | |
| " | 25 | धनञ्जयम् | कुलशेखरवर्मा | अङ्कद्वयं | |
| 334 | 26 | मालतीमाधवम् | भवभूतिः | अपूर्ण | |
| 336 | 27 | माणम् | महिषमङ्गलद्विजः | पूर्ण | |
| " | 28 | कौटिविरहः | | पूर्ण | |
| " | 29 | स्वाहासुधाकरम् | | पूर्ण | प्रबन्धः |
| 340 | 30 | धनञ्जयम् | कुलशेखरवर्मा | पूर्ण | खण्डितपत्रम् |
| 341 | 31 | नागानन्दम् | श्रीहर्षः | अपूर्ण | द्वितीयाङ्के-कदेशान्तम् |
| " | 32 | सुभाषितत्रिशतिः | भर्तृहरिः | अपूर्ण | कर्मपद्धतिमारभ्य अवधूतपद्धत्यन्तम् |
| 967 | 33 | धनञ्जयम् | कुलशेखरवर्मा | अपूर्ण | पञ्चमाङ्के किञ्चित्-लुप्तम् |
| 320 | 34 | मालविकाग्निमित्रम् | | पूर्ण | |
| " | 35 | तद्व्याख्या | नीलकण्ठः | पञ्चअङ्काः | |
| 992 | 36 | बालरामायणम् | | दशअङ्काः | दशमाङ्के किञ्चित्-लुप्तम् |
| 994 | 37 | मालतीमाधवम् | | | पञ्चमाङ्के आद्यभागान्तम् आदौ तु-रीयपत्रमारभ्य दश पत्राणि लुप्तानि |
| 101 | 38 | अनर्घराघवम् | मुरारिः | सप्तमेऽङ्के अपूर्णे | |
| 995 | 39 | विष्णुपादादिकेशान्त-स्तुतिः | शङ्कराचार्यः | अपूर्णं | |
| " | 40 | कर्पूरमञ्जरी | | चत्वारोऽङ्काः | |
| " | 41 | श्रीरामकथा | | चूडामणि नाटककथा | (शूर्पणखाया रामदर्शनमारभ्य अपूर्णम्) |
| 99 | 42 | नागानन्दम् | | एकोऽङ्कः पूर्णम् | |
| " | 43 | अनर्घराघवम् | | | षष्ठाङ्के नवमभागाद्यधि-आदौ अष्टपत्राणि लुप्तानि. |
| 97 | 44 | शाकुन्तलम् | कालिदासः | अपूर्णं | |
| 996 | 45 | कलावतीकामरूपम् | | अपूर्णं | पञ्चमाङ्केकदेशान्तं तत्र तत्र लुप्तम् |
| 1117 | 46 | कलावतीकामरूपम् | | अपूर्णं | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निर्देशाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 100 | 47 | चूडामणिः | शक्तिभद्रः | अपूर्णं षडङ्काः | अतीवजीर्णम् |
| " | 48 | प्रतिमानाटकम् | | अपूर्णं | (अस्मिन्ग्रन्थे अन्तरान्तरा पत्राणां विनिमयो वर्तते) |
| ✓ " | 49 | अभिषेकनाटकम् | | " | |
| 997 | 50 | नागानन्दव्याख्या | शिवरामभट्टः | पूर्णं | जीर्णम् |
| 1027 | 51 | " | " | " | |
| 102 | 52 | संवरणव्याख्या | " | अपूर्णं | (आदौ 14 पत्राणि लुप्तानि-अन्तेऽपि कतिचन पत्राणि लुप्तानि पत्रविनिमयश्च) |
| 337 | 53 | " | " | पूर्णं | |
| " | 54 | प्रतिज्ञायौगन्धरायणं | भासकविः | पूर्णं | जीर्णं तन्तत्र विषयलोपश्च. |
| 315 | 55 | संवरणव्याख्या | शिवरामः | द्वावङ्कौ | द्वितीयाङ्केदृश्यपद्यावधि. |
| ✓ 998 | 56 | शाकुन्तलव्याख्या | श्रीनिवासः | अपूर्णं | सप्तमाङ्के 23श्लोकान्तं |
| ✓ " | 57 | " | " | " | द्वितीयाङ्के सप्तम-श्लोकावधि. |
| ✓ 1041 | 58 | " | " | पूर्णं | |
| ✓ 333 | 59 | अनर्घराघवटिप्पणी | पूर्णसरस्वती | " | आदौपत्रमेकं लुप्तम्. |
| ✓ " | 60 | शाकुन्तलटिप्पणी | | " | |
| " | 61 | निपातवृत्तिः | | " | व्याकरणम्. |
| ✓ 1029 | 62 | अनर्घराघवटिप्पणी | पूर्णसरस्वती | " | |
| ✓ " | 63 | शाकुन्तलटिप्पणी | | " | |
| " | 64 | निपातवृत्तिः | | " | व्याकरणम्. |
| 312 | 65 | उत्तररामचरितव्याख्या | नारायणकविशिष्यः | " | |
| ✓ 1043 | 66 | अनर्घराघवव्याख्या | मानविक्रमकविः | अपूर्णं षष्ठाङ्के 74श्लोकावधि. | |
| ✓ 979 | 67 | " | " | " | (तृतीयाङ्के विष्कम्भकात्परं चतुर्थे 46श्लोकावधि.) |
| 966 | 68. | विद्धसालभञ्जिकाव्याख्या. | साहित्यमल्लः | 3 अङ्काः | वासुदेवापरनामकोऽयं कविः. |
| ✓ 313 | 69 | शाकुन्तलव्याख्या | अभिरामः | पूर्णं | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 335 | 70 | " | " | " | |
| 1041 | 71 | शाकुन्तलव्याख्या | | अपूर्णं | तृतीयाङ्के 13 श्लोकावधि-इयं मन्वर्थबोधिन्याख्यव्याख्या. |
| 326 | 72 | प्रबोधचन्द्रोदयव्याख्या- | गोविन्दामृतभगवान् | पूर्णं | नाटकाभरणाख्यं टिप्पणमिदम्. |
| " | 73 | प्रबोधचन्द्रोदयटिप्पणी | भरतनाथः | अङ्कत्रयं. | |
| 975 | 74 | चूडामणिव्याख्या | | पूर्णं | |
| 103 | 75 | मालतीमाधवव्याख्या | पूर्णसरस्वती | षडङ्कः | पञ्चमाङ्कमारभ्य यावदन्तं |
| 327 | 76 | " | " | 4-अङ्कः | आदितः 4-अङ्कः |
| 322 | 77 | मुद्राराक्षसव्याख्या | | पूर्णं | |
| 968 | 78 | धनञ्जयव्याख्या | शिवरामः | " | भरतवाक्यव्याख्या नास्ति |
| 976 | 79 | चूडामणिमूलम् | शक्तिभद्रः | " | |
| " | 80 | प्रतिमानाटकम् | भासकविः | " | |
| " | 81 | अभिषेकनाटकम् | | अपूर्णं | जीर्णकतिपयपत्रकः |
| " | 82 | प्रतिमा | भासकविः | " | अन्तरान्तरा लुप्तम् |
| " | 83 | अभिषेकनाटकम् | | " | आदावन्तरा च लुप्तम्. |
| " | 84 | बालचरितम् | | " | आदावन्ते च लुप्तम्. |
| " | 85 | स्वप्नवासनदत्ता | | " | प्रथमाङ्के किञ्चित् लुप्तम्. |
| " | 86 | प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् | | " | पत्रत्रयमन्तरा लुप्तम्. |
| " | 87 | अविमारकम् | | " | 1-अङ्कः लुप्तः पत्रद्वयमन्तरा लुप्तं |
| " | 88 | नागानन्दम् | | " | अन्तरा 7-पत्राणि लुप्तानि |
| " | 89 | पञ्चरात्रम् | | पूर्णं | |
| " | 90 | चारुदत्तम् | | " | अन्ते किञ्चित् लुप्तम्. |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 976 | 91 | समवकारम् | | " (दूतवासुदेव नमकं आदौ किञ्चित् लुप्तं) |
| " | 92 | दूतघटोत्कचम् | | अपूर्ण अन्ते किञ्चित् लुप्तम्। |
| 338 | 93 | चूडामणिः | शक्तिभद्रः | अपूर्ण आदावन्ते च लुप्तम्। |
| " | 94 | कर्णभारम् | | " आदौ किञ्चित् लुप्तम्। |
| " | 95 | संवरणम् | | " अन्ते ४ पत्राणि नष्टानि. |
| " | 96 | धनञ्जयम् | कुलशेखरवर्मा | " ६ पत्राणि लुप्तानि. |
| " | 97 | कल्याणसौगन्धिकम् | नीलकण्ठः | " अन्तरा एकं पत्रं लुप्तम्। |
| " | 98 | मत्तविलासं प्रहसनम्. | | पूर्ण |
| " | 99 | ऊरुभंगम् | | " |
| " | 100 | मध्यमव्यायोगम् | | " |
| " | 101 | त्रैविक्रमम् | | अपूर्ण पत्राणि पूर्वभागः |
| 98 | 102 | बालचरितम् | | " इदमतीव जीर्णम्। |
| ✓ | 103 | अभिषेकम् | | पूर्ण |
| " | 104 | मत्तविलासम् | | " |
| " | 105 | त्रैविक्रमम् | | " |
| " | 106 | ऊरुभङ्गम् | | " |
| " | 107 | कर्णकवचम् | | " |
| " | 108 | दूतघटोत्कचम् | | " |
| " | 109 | भगवदज्जुकम् | | " अन्तरा लुप्तम्। |
| " | 110 | पञ्चरात्रम् | | " लुप्तकतिपयभागकम् जीर्णम् |
| " | 111 | तपतीसंवरणम् | | |
| " | 112 | धनञ्जयम् | | अपूर्ण " |

| L.No. | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 98 | 113 | नागानन्दम् | | अपूर्णं | लुप्तकतिपयागागकं |
| » | 114 | चूडामणिः | | पूर्णं | नष्टप्रायम् |
| » | 115 | अभिषेकः | | » | जीर्णम। |
| » | 116 | प्रतिमानाटकम् | | पूर्णं | तत्र तत्र लुप्तं |
| » | 117 | प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् | | अ | अन्ते अन्तरा-च लुप्तम। |
| » | 118 | वासवदत्ता | भासकविः | | लुप्तबहुभागकं |
| » | 119 | रघुवंशव्याख्या | अरुणाचलनाथः | » | अतिजीर्णः |
| 993 | 120 | नलचरितम् | नीलकण्ठः | पूर्णं | षडङ्काः |
| » | 121 | धनञ्जयम् | गुरुरामकविः | पूर्णं | |
| » | 122 | नागानन्दम् | श्रीहर्षः | अ | आदौ॥ अन्ते॥ पत्राणिलुप्तानि |
| » | 123 | चूडामणिः | शक्तिभद्रः | पूर्णं | ।० पत्राणि जीर्णानि। |
| » | 124 | प्रतिमानाटकम् | | » | जीर्णतमम् |
| » | 125 | अभिषेकनाटकम् | | » | |
| » | 126 | श्रीरामचरितम् | | अ | शूर्पणरामसंवादपर्यन्तं-काव्यं |
| » | 127 | दूतवाक्यम् | | » | जीर्णतमम् |
| » | 128 | कल्याणसौगन्धिकं | | » | » |
| 103 | 129 | चन्द्रिकाजनमेजयः | | » | जीर्णतमम। |
| 1085 | 130 | शाकुन्तलव्याख्या | | » | षष्ठाङ्के।१श्लोकावधि. |
| 314 | 131 | चूडामणिव्याख्या | | पूर्णं | |
| 339 | 132 | चन्द्रलेखासट्टकम् | श्रीकण्ठशिष्यो रुद्रदासः | अ | जीर्णतमम |
| 618 | 133 | » | | पूर्णं | » |
| » | 134 | प्राकृतमञ्जरी | | » | व्याकरणं जीर्णकतिपयागकम। |

| L. No. | S. No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 618 | 135 | उपसर्गसूत्रवृत्तिः | | पूर्णं | व्याकरणम् |
| 341 | 136 | कल्याणसौगन्धिकं | | ,, | आदौ पत्रद्वयैक-विषय भागो नष्टः |
| ,, | 137 | दूतवाक्यम् | | ,, | अन्ते किञ्चित् लुप्तम्। |
| 303 | 138 | कल्याणसौगन्धिकं | | ,, | काकलपुस्तकं |
| 302 | 139 | त्रैविक्रमम् | | ,, | ,, |
| 309 | 140 | रत्नकेतूदयम् | | अपूर्णं | |
| 312 | 141 | सौगन्धिकाहरणं | | पूर्णं | |
| 304 | 142 | भगवदज्जुकम् | | ,, | अन्तरालुप्तं |

## अलङ्कार ग्रन्थाः

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 101 | 143 | काव्यप्रकाशम् | | अ. जीर्णतमं | दशमोल्लासे 60. श्लोकावधि अन्तरालुप्तम्। |
| 1028 | 144 | ध्वन्यालोकम् लोचनव्याख्यानम् | | प्रथमो-द्योतः | आदावन्ते चैकैकं पत्रं लुप्तम्। |
| 348 | 145 | अलङ्कारसर्वस्व-टीका | विद्याचक्रवर्ती | अ. | आक्षेपालङ्कार-पर्यन्तम्। |
| 343 | 146 | रसगङ्गाधरः | जगन्नाथपण्डितः | अ | असमालङ्कारमा-रभ्य तुल्ययोगि-तान्तम्। ततःकाव्यलिङ्ग-मारभ्य यावदन्तं अन्तरा 64 पत्राणि लुप्तानि |
| 344 | 147 | ,, | | ,, | आदितस्सारा-लङ्कारान्तम्। |
| 345 | 148 | काव्यदर्पणम् | राजचूडामणि दीक्षितः | अष्टौ-ल्लासाः | |
| ,, | 149 | नीतिसारम् | कामन्दकः | पूर्णम् | |
| 347 | 150 | कुवलयानन्दः | अप्पय्यदीक्षितः | ,, | |
| 349 | 151 | काव्यप्रकाशव्याख्या | यज्ञेश्वरः | पूर्णम् | |
| 350 | 152 | ध्वन्यालोकलोचनम् | अभिनवगुप्तः | ,, | अन्तरापत्त्रत्रयं लुप्तम् |
| ,, | 153 | काव्यादर्शटीका | तरुणवाचस्पतिः | अपूर्णं | त्रयः परिच्छेदाः |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 350 | 154 | सहृदयालोकम् | आनन्दवर्धनाचार्यः | अपूर्णं | मूलम् |
| 348 | 155 | हरिलीला | बोप्पदेवः | अपूर्णं | |
| 351 | 156 | काव्यप्रकाशमूलकारिका | मम्मटभट्टः | पूर्णं | |
| ,, | 157 | चन्द्रालोकः | जयदेवः | ,, | |
| ,, | 158 | ,, | ,, | ,, | |
| ,, | 159 | श्रुतबोधः | कालिदासः | ,, | |
| ,, | 160 | स्वाहासुधाकरं | | ,, | प्रबन्धः |
| 352 | 161 | काव्यप्रकाशव्याख्या | विद्याचक्रवर्ती | पूर्णं | |
| 353 | 162 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षितः | ,, | |
| 354 | 163 | कुवलयानन्दव्याख्या | वैद्यनाथः | ,, | |
| 355 | 164 | काव्यदर्पणम् | राजचूडामणिः | अपूर्णं | |
| ,, | 165 | कावेरीमाहात्म्यं | व्यासः | ,, | |
| 356 | 166 | काव्यप्रकाशः | मम्मटभट्टः | पूर्णं | |
| 357 | 167 | दशरूपकं सावलोकम् | धनञ्जयः | ,, | |
| 358 | 168 | ,, | ,, | अपूर्णं | |
| 359 | 169 | भावप्रकाशः | शारदातनयः | ,, | |
| 360 | 170 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षितः | ,, | |
| ,, | 171 | शिशुपालवधः | माघः | ,, | |
| 361 | 172 | सहृदयालोकः | आनन्दवर्धनाचार्यः | पूर्णम् | |
| 1039 | 173 | भावप्रकाशः | शारदातनयः | ,, | |
| ,, | 174 | दशरूपकम् | धनञ्जयः | ,, | |
| ,, | 175 | भावविवेकः | | अपूर्णं | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 1120 | 176 | भावप्रकाशः | शारदातनयः | पूर्ण | |
| ,, | 177 | दशरूपकम् | धनञ्जयः | ,, | |
| ,, | 178 | भावविवेकः | | अ. | |
| 1079 | 179 | शृङ्गारप्रकाशः | भोजदेवः | ,, | |
| 1081 | 180 | ,, | ,, | ,, | |
| 98 | 181 | ध्वन्यालोकलोचन-नविवृतिः | | ,, | प्रथमोद्योतः |
| 964 | 182 | दशरूपकावलोक-व्याख्या | भट्टजरसिंहः | पूर्ण | |
| ,, | 183 | ,, | ,, | ,, | |
| | | काव्य | ग्रन्थाः | | |
| 243 | 184 | मेघसन्देशव्या-विद्युल्लता. ख्या | पूर्णसरस्वती | पूर्ण | |
| 244 | 185 | ,, | ,, | ,, | |
| 218 | 186 | कुमारसम्भवविवरणम् | नारायणभट्टः | अ | |
| ,, | 187 | त्रिपुरदहनम् | | ,, | |
| 219 | 188 | कुमारसम्भवविवरणम् | नारायणभट्टः | ,, | |
| 1040 | 189 | सौमपानप्रयोगः यागविधिः | | ,, | |
| ,, | 190 | कुमारसम्भवविवरणम् | नारायणभट्टः | ,, | |
| 217 | 191 | ,, | ,, | ,, | |
| 1031 | 192 | ,, | ,, | ,, | |
| 92 | 193 | कुमारसम्भवव्याख्या | अरुणगिरिनाथः | ,, | |
| 220 | 194 | ,, | ,, | ,, | |
| 92 | 195 | प्रयोगमञ्जरी | | ,, | |
| 73 | 196 | कुमारसम्भवः | कालिदासः | ,, | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 232 | 197 | कुमारसम्भवव्याख्यानम् | | अपूर्णं केरलभाषा |
| " | 198 | युधिष्ठिरविजयमाणव्याख्यानम् | | " |
| 221 | 199 | कुमारसम्भवम् | कालिदासः | " |
| " | 200 | कृष्णस्तुतिः हनुमत्स्तुतिश्च | | " |
| 310 | 201 | युधिष्ठिरविजयव्याख्यानम् | श्रीकण्ठप्रियशिष्याः | " |
| 988 | 202 | " | " | " |
| 236 | 203 | " | " | " |
| 235 | 204 | " | " | " |
| " | 205 | युधिष्ठिरविजयटिप्पणी | | " |
| 95 | 206 | युधिष्ठिरविजयः | वासुदेवः | पूर्णं |
| 91 | 207 | सप्तधात्वर्थसहितः | | " |
| 234 | 208 | " | | अ |
| 233 | 209 | युधिष्ठिरविजयः | वासुदेवः | पूर्णं |
| 87 | 210 | " | " | अ |
| " | 211 | रामायणम् | वाल्मीकिः | " |
| " | 212 | शनिस्तुतिः | दशरथः | पूर्णं |
| " | 213 | आदित्यहृदयम् | | " रामायणोक्तं |
| " | 214 | नारायणीयं स्तोत्रम् | नारायणः | अ |
| 237 | 215 | युधिष्ठिरविजयः | वासुदेवः | " |
| " | 216 | ज्योतिःशास्त्रम् | | " गणितविषयं |
| 229 | 217 | किरातार्जुनीयम् | भारविः | पूर्णं |
| 231 | 218 | " | " | अ |
| 228 | 219 | " | " | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 230 | 220 | किरातार्जुनीयम् | भारविः | अ | |
| " | 221 | नैषधीयचरितम् | श्रीहर्षः | " | |
| " | 222 | श्रीकृष्णस्तुतिः | | " | |
| 222 | 223 | किरातार्जुनीयव्याख्या | विद्यामाधवः | " | 12 सर्गाः |
| 224 | 224 | " | " | " | |
| 225 | 225 | " | " | " | |
| 223 | 226 | " | " | पूर्ण | तन्नतन्न अक्षरलोपः |
| 227 | 227 | " | चित्रभानुः | अ | |
| 226 | 228 | " | विद्यामाधवः | " | |
| " | 229 | सङ्गीतरत्नाकरः | शार्ङ्गदेवः | " | |
| 184 | 230 | मुद्राराक्षसकथासारः | रविनर्तकः | पूर्ण | |
| " | 231 | रघुवंशम् | कालिदासः | अ | |
| 1097 | 232 | " | " | " | |
| 185 | 233 | " | " | पूर्ण | |
| 1087 | 234 | " | " | अ | |
| 189 | 235 | " | " | " | |
| 1880 | 236 | " | " | " | |
| 79 | 237 | " | " | " | |
| 298 | 238 | " | " | " | |
| 987 | 239 | " | " | " | |
| 186 | 240 | " | " | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषः |
|---|---|---|---|---|---|
| 188 | 241 | रघुवंशम् | कालिदासः | अ | |
| " | 242 | " | " | " | सर्गत्रयं जीर्णं |
| 75 | 243 | " | " | " | सर्गदशकं |
| 1094 | 244 | " | " | " | |
| 190 | 245 | " | " | " | |
| 183 | 246 | रघुवंशव्याख्या | मल्लिनाथः | " | |
| 182 | 247 | सैव पदार्थदीपिका | नारायणभट्टः | " | |
| 187 | 248 | " | " | " | |
| 181 | 249 | रघुवंशव्याख्या | (मल्लिनाथः) मल्लिभट्टः | " | |
| 251 | 250 | रुग्मिणीशविजयं सव्याख्यानम् | मूलं वादिराजः व्या-नारायणभट्टः | " | 17 सर्गाः |
| 72 | 251 | नैषधीयचरितम् | श्रीहर्षः | " | |
| 198 | 252 | " | " | " | |
| 192 | 253 | " | " | " | |
| 201 | 254 | " | " | " | 10 सर्गाः |
| 202 | 255 | " | " | " | |
| 200 | 256 | " | " | " | |
| 199 | 257 | " | " | " | |
| 193 | 258 | " | " | " | |
| " | 259 | नैषधीयचरितव्याख्या | | " | 12-13-सर्गद्वयं पदवाक्यपञ्जिकाख्य टीका |
| 196 | 260 | " | मल्लिनाथः | " | |
| 194 | 261 | " | " | " | |
| 195 | 262 | " | " | " | |

| No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 197 | 263 | नैषधीयचरित-व्याख्या | मल्लिनाथः | अ | |
| 191 | 264 | नैषधव्याख्या | श्रीधरः | " | |
| 965 | 265 | शिशुपालवधः | माघः | पूर्ण | |
| 212 | 266 | " | " | अ | |
| 213 | 267 | " | " | " | |
| 86 | 268 | " | " | " | |
| 308 | 269 | " | " | " | |
| " | 270 | अश्वत्थस्तुतिः | | पूर्ण | |
| " | 271 | नवग्रहस्तुतिः | | " | |
| " | 272 | रामाष्टोत्तरशतनामानि | | " | |
| " | 273 | स्तोत्रमञ्जरी | | अ | |
| 207 | 274 | शिशुपालवधः | माघः | " | |
| 215 | 275 | " | " | " | |
| 210 | 276 | " | " | " | |
| " | 277 | वैजयन्तीनिघण्टुः | यादवप्रकाशः | | |
| " | 278 | अमरकोशः | अमरसिंहः | " | |
| 211 | 279 | शिशुपालवधः | माघः | " | |
| 270 | 280 | " | " | " | पञ्चसर्गीः |
| 214 | 281 | " | " | " | |
| " | 282 | पाणिनिसूत्रम् | पाणिनिः | " | |
| 216 | 283 | शिशुपालवधः | माघः | " | |
| " | 284 | नैषधम् | श्रीहर्षः | | |
| " | 285 | रावणनन्धनं बालिविजयापरनामकं | कौशिकगोत्रजः कश्चन द्विजः | पूर्ण | माटभूपतिसेवकोऽयं. |

| I.No | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 199 | 286 | शिशुपालवधटीका | वल्लभदेवः | अ | |
| 205 | 287 | शिशुपालवधव्याख्यानम् | देवराजकविः | " | |
| 208 | 288 | तदेव | मल्लिनाथः | " | त्रयस्सर्गाः |
| " | 289 | महाभारतम् | व्यासः | " | |
| 203 | 290 | शिशुपालवधव्याख्या | मल्लिनाथः | " | |
| 209 | 291 | सैवान्या | जयसिंहाचार्यः | " | |
| " | 292 | तर्कसङ्ग्रहव्याख्या | पुरुषोत्तमः | पूर्ण | |
| 204 | 293 | शिशुपालवधव्याख्या | मल्लिनाथः | अ | |
| 206 | 294 | " | " | " | |
| " | 295 | सैवान्या | देवराजः | " | |
| 199 | 296 | " | वल्लभदेवः | " | |
| 10,5 | 297 | " | श्रीकण्ठः | " | |
| " | 298 | " | " | " | |
| 300 | 299 | मध्वविजयः | | " | |
| " | 300 | रामायणम् | वाल्मीकिः | " | |
| " | 301 | रघुवंशम् | कालिदासः | " | |
| ✓ " | 302 | नामलिङ्गानुशासनम् | अमरसिंहः | " | |
| " | 303 | शिशुपालवधः | माघः | " | |
| 246 | 304 | भट्टिकाव्यव्याख्या | जयमङ्गलः | " | |
| 82 | 305 | भट्टिकाव्यम् सटीकम् | मूलं- भट्टिः व्या - जयमङ्गलः | | |
| 306 | 306 | शिशुपालवधः | माघः | " | |
| " | 307 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नंभट्टः | पूर्ण | |

| No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| | 306 | 308 | तर्कसङ्ग्रहदीपिका | " | अ | |
| | 247 | 309 | भट्टिकाव्यटीका | जयमङ्गलः | " | |
| | 248 | 310 | वृत्तसङ्ग्रहः | | पूर्ण | केरलभाषाव्याख्यायुतः |
| | " | 311 | श्रुतबोधः | कालिदासः | " | |
| | " | 312 | भट्टिकाव्यम् | भट्टिः | " | |
| | 249 | 313 | " | " | अ | |
| ✓ | 293 | 314 | अमरुकटीका | वेमभूपालः | " | |
| ✓ | 266 | 315 | " | " | " | |
| | " | 316 | मुद्राराक्षसकथासारः | रविनर्तकः | " | |
| ✓ | 275 | 317 | अमरुकटीका | वेमभूपालः | पूर्ण | |
| ✓ | 1092 | 318 | अमरुकशतकम् | अमरुकः | " | |
| ✓ | " | 319 | अमरुकटीका | वेमभूपालः | " | |
| ✓ | 259 | 320 | गीतागोविन्दकाव्यं | जयदेवः | अ | |
| ✓ | 37 | 321 | " | " | पूर्ण | |
| ✓ | 256 | 322 | तदेव केरलभाषाव्याख्यायुतं | " | " | |
| ✓ | " | 323 | तदेव मूलम् | " | " | |
| ✓ | " | 324 | श्रीकृष्णकीर्तनम् | | अ | केरलभाषाचोलभाषा |
| ✓ | 255 | 325 | गीतागोविन्दटीका | लक्ष्मीधरः | " | दश सर्गः |
| ✓ | " | 326 | तदेव मूलम् | जयदेवः | पूर्ण | |
| | " | 327 | व्याकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षितः | अ | |
| | 85 | 328 | कादम्बरीकथासारः | अभिनन्दः | पूर्ण | जीर्णपत्रकम् |
| | 77 | 329 | कादम्बरी | बाणभट्टः | अ | |
| | 80 | 330 | " | " | " | |

| L.No. | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 245 | 331 | बृहत्कथामञ्जरी | क्षेमेन्द्रः | अ | |
| 262 | 332 | श्रीकृष्णविलासः | सुकुमारः | " | |
| 302 | 333 | " | " | " | |
| 267 | 334 | " | " | " | |
| 288 | 335 | " | " | " | |
| 257 | 336 | तद्व्याख्या | रामपाणिवादः | " | |
| 254 | 337 | " | " | " | |
| 277 | 338 | धातुकाव्यव्याख्या | | " | |
| 253 | 339 | " | " | " | त्रयस्त्रर्गः |
| " | 340 | शुकसन्देशविवरणं | गौरीदासः | " | |
| 274 | 341 | वात्स्यायनसूत्रटीका जयमङ्गलाख्या | | " | |
| 71 | 342 | मध्वविजयटीका मूलसहिता | नारायणपण्डितः (मूलकारः) | " | |
| 272 | 343 | मध्वविजयटीका | विश्वपतितीर्थः | " | |
| 273 | 344 | मध्वविजयः | नारायणपण्डितः | | |
| 83 | 345 | पाण्डवचरितभाषाव्याख्यानम् | | " | जीर्णः |
| 238 | 346 | दशावतारचरितश्लोकमाला | रामवर्मनामा गोश्रीपुराधिपः | " | |
| 239 | 347 | " | " | " | |
| 240 | 348 | " | " | " | |
| 242 | 349 | श्रीकृष्णावतारचरितश्लोकमाला | " | " | |
| 271 | 350 | रत्नसङ्ग्रहः | रघुनाथाचार्यः | " | |
| " | 351 | तस्य टीका | | " | |
| 250 | 352 | शुकसन्देशव्याख्या मूलसहिता | मानवेदभूपः | पूर्ण | मू॰ लक्ष्मीदासः |
| 241 | 353 | श्रीरामचरितम् | | अ | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निर्देशाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 279 | 354 | राघवीयं काव्यम् | रामपाणिवादः | अ | |
| 280 | 355 | उत्तरराघवीयम् | | पू | सर्गपञ्चकम् |
| 290 | 356 | धातुकाव्यम् | नारायणः | " | |
| " b | 357 | मेघसन्देशः | कालिदासः | " | |
| " c | 358 | सुभाषितमञ्जरी | | अ | |
| 305 | 359 | बालभारतम् | | " | |
| 278 | 360 | कृष्णार्जुनीयम् | | " | |
| 301 | 361 | गौरिकथाव्याख्या | नित्यामृतकविः | " | |
| 81 | 362 | गौरिकथा | | " | जीर्णः |
| 989 | 363 | सङ्क्षेपभारतम् | " | " | |
| 89 | 364 | शुकसन्देशः | लक्ष्मीदासः | " | |
| " b | 365 | मेघसन्देशः | कालिदासः | " | |
| 294 | 366 | रुक्मिणीकल्याणम् | राजचूडामणि-दीक्षितः | पू | |
| 287 | 367 | सुभाषितमञ्जरी | | अ | |
| 301 | 368 | सुभाषितत्रिशती | भर्तृहरियोगीन्द्रः | " | |
| 94 | 369 | त्रिपुरदहनव्याख्या | नित्यामृतभिक्षुः | " | |
| 283 | 370 | वृत्तरत्नाकरटीका | कुलपालिकासूनुः | " | |
| 252 | 371 | शुकसन्देशव्याख्या वरवर्णिनी | | " | |
| 282 | 372 | मेघसन्देशः | कालिदासः | पू | |
| " b | 373 | शुकसन्देशः | लक्ष्मीदासः | " | |
| " c | 374 | सुभाषितपद्यानि चाटुश्लोकाः | | " | |
| " d | 375 | कर्मविपाकसङ्ग्रहः | | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 282 | 376 | सुभाषितमाला | | पू | |
| 297 | 377 | रतिरहस्यम् | कोकोककविः | अ | |
| 295 | 378 | " | " | " | |
| 1095 | 379 | श्रीरामोदन्तः | | पू | |
| 88 | 380 | " | | अ | जीर्णः |
| 34 | 381 | दशकुमारचरितं | दण्डिकविः | " | |
| 96 | 382 | राघवपाण्डवयादवीयम् | चूडामणिदीक्षितः | " | जीर्णः |
| 995 | 383 | सुभाषितमञ्जरी | | " | |
| 296 | 384 | रुक्मिणीविजय-व्याख्या | | " | |
| 1114 | 385 | शुकसन्देशव्याख्या | | " | |
| 291 | 386 | कंसवधकाव्यं | रामपाणिवादः | पू | |
| " | 387 | मेघसन्देशः प्राकृतम् | कालिदासः | अ | |
| " | 388 | शुकसन्देशः | लक्ष्मीदासः | " | |
| 284 | 389 | पञ्चतन्त्रम् | विष्णुशर्मा | पू | |
| 285 | 390 | " | " | " | |
| " | 391 | गणितविषयः | | अ | |
| 299 | 392 | नीतिसारं सव्याख्यानं | | " | |
| " | 393 | विष्णुस्तुतिः | मार्कण्डेयमुनिः | पू | |
| " | 394 | मातङ्गलीला | नीलकण्ठः | अ | |
| " | 395 | स्वाहासुधाकरः | | पू | |
| " | 396 | कृष्णार्जुनीयम् | वासुदेवकविः | अ | |
| 276 | 397 | खरवधकाव्यम् | | पू | |
| " | 398 | मरुत्तविजयः | | अ | |

| S.No | G.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 276 | 399 | मध्वविजयटीका | विश्वपतितीर्थः | अ | जीर्णः |
| 292 | 400 | भृङ्गसन्देशः | | पू | |
| 43 | 401 | यमकभारतम् | आनन्दतीर्थाचार्यः | " | |
| 44 | 402 | रघुवंशं काव्यम् | कालिदासः | अ | |
| 1089 | 403 | श्रीरामोदन्ताः | | पू | |
| 265 | 404 | चम्पूरामायणे भारतम् | आनन्तभट्टः | " | |
| 311 | 405 | " | " | " | |
| 261 | 406 | " | माजवेदकविः | अ | |
| 260 | 407 | " | " | " | |
| 286 | 408 | मणिमञ्जरी | नारायणपण्डितः | पू | |
| " | 409 | चम्पूभारतम् | मानवेदकविः | अ | |
| 253 | 410 | चम्पूरामायणम् | विदर्भराजः | " | |
| 80 | 411 | " | " | " | |
| 263 | 412 | पाण्डवचरितम् | | " | |
| " | 413 | श्रीकृष्णविलासः | सुकुमारः | | |
| " | 414 | रघुवंशकाव्यं | कालिदासः | " | |
| " | 415 | श्रीकृष्णविलासः | सुकुमारः | " | |
| " | 416 | पाञ्चाली स्वयंवरं | | पू | |
| " | 417 | स्यमन्तकचरितं | | अ | |
| " | 418 | कौन्तेयाष्टकम् | नारायणभूसुरः | पू | |
| " | 419 | किरातम् | | " | |
| " | 420 | कल्याणसौगन्धिकम् | | अ | |
| 281 | 421 | कुचेलोपाख्यानं | | पू | |

| L.No. | G.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निर्देशाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 281 | 422 | जरासन्धवधः | | पू | |
| " | 423 | राजसूयप्रबन्धः | नारायणभूसुरेन्द्रः | " | |
| " | 424 | रामायणं प्रबन्धं | | अ | |
| " | 425 | नृगमोक्षः | | " | |
| " | 426 | रामायणम् | | " | जीर्णग |
| 397 | 427 | पञ्चेन्द्रोपाख्यानं | | पू | " |
| " | 428 | सुन्दोपसुन्दोपाख्यानं | | " | जीर्णम |
| " | 429 | सुभद्राहरणम् | | अ | |
| 398 | 430 | विंशतिपञ्चाङ्गिकास्तोत्रं | | पू | |
| " | 431 | रुक्माङ्गदचरितम् | | " | |
| " | 432 | रुग्मिणीस्वयंवरम् | | " | |
| " | 433 | अम्बरीषचरितं | | " | |
| 402 | 434 | कृष्णाष्टमीव्रतमहिमा | व्यासमुनिः | " | |
| " | 435 | जयन्तीव्रतमाहात्म्यम् | " | " | |
| " | 436 | रुक्माङ्गदचरितं | | " | |
| " | 437 | रुग्मिणीस्वयंवरं | | " | |
| " | 438 | अम्बरीषचरितं | | " | |
| 439 | 439 | रुग्मिणीस्वयंवरम् | | " | |
| " | 440 | गरुडनामाष्टोत्तरशतकम् | | " | |
| " | 441 | श्रीरामस्तुतिः | | | |
| " | 442 | गरुडनामाष्टोत्तरशतकम् | | | |

एतत्सर्वं तालपत्रलिखितम्

| L.No | G.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|

## काव्य विषये काकलं लिखितानि

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 103 | 443 | शिशुपालवधव्याख्या | श्रीकण्ठः | अ |
| " | 444 | दामोदराष्टोत्तरशतनामानि | | पू |
| " | 445 | गरुडनामाष्टोत्तरशतकम् | | " |
| " | 446 | भूमिस्तोत्रम् | | " |
| " | 447 | रामायणमाहात्म्यं | | " |
| 219 | 448 | कंसवधकाव्यम् | रामपाणिवादः | " |
| 238 | 449 | रघुवंशव्याख्यानं | ईश्वरसूनुमल्लिनाथः | अ |
| 52 | 450 | युधिष्ठिरविजयव्याख्या | नीलकण्ठप्रियशिष्यः | " |
| | 451 | नैषधव्याख्यानं | श्रीधराचार्यः केशवार्यसूनुः | " |
| | 452 | बालभारतव्याख्या | दण्डनाथकविः | " |
| | 453 | रघुवंशव्याख्या | नारायणः | " |
| 280 | 454 | " | अरुणगिरिनाथः | " |
| " | 455 | दूतवाक्यम् | | पू |
| 244 | 456 | पञ्चेन्द्रोपाख्यानम् | | " |
| " | 457 | सुन्दोपसुन्दोपाख्यानम् | नारायणभूसुरः | " |
| " | 458 | अजामिलमोक्षः | " | " |
| " | 459 | कौन्तेयाष्टकम् | | " |
| 286 | 460 | कुचेलोपाख्यानम् | | " |
| " | 461 | जरासन्धवधः | | " |
| " | 462 | राजसूयप्रबन्धः | नारायणभूसुरः | " |
| " | 463 | उषापरिणयः | " | " |
| " | 464 | नृगमोक्षप्रबन्धः | | अ |

| L.No. | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 307 | 465 | दक्षयागप्रबन्धः | | पू | |
| " | 466 | पञ्चेन्द्रोपाख्यानम् | | " | |
| " | 467 | सुन्दोपसुन्दोपाख्यानम् | | " | |
| " | 468 | सुभद्राहरणप्रबन्धः | नारायणभूसुरः | अ | |
| " | 469 | निरनुनासिकवाक्यप्रबन्धः | | " | |
| " | 470 | चाटुश्लोकमाला | | " | |
| " | 471 | कल्याणसौगन्धिकं नाटकम् | | पू | |
| " | 472 | श्रीकृष्णचरितम् | | अ | |
| " | 473 | कालदीपकम् ज्यौतिषम् | | " | |
| | | वेदान्त ग्रन्थाः | | | |
| 634 | 474 | पञ्चदशिप्रकरणव्याख्यानं | रामकृष्णः | " | |
| " | 475 | अद्वैतमकरन्दव्याख्या | स्वयंप्रकाशाख्ययतिः | पू | |
| 711 | 476 | अद्वैतसिद्धिः | मधुसूदनसरस्वती | अ | |
| 626 | 477 | " | " | " | |
| " | 478 | तद्व्याख्या | ब्रह्मानन्दभिक्षुः | " | |
| " | 479 | हालास्यमाहात्म्यम् | व्यासः | " | |
| 625 | 480 | पञ्चदशिप्रकरणम् | विद्यारण्ययतिः | " | |
| " | 481 | अगेददीपिका | | " | |
| " | 482 | पञ्चीकरणवार्तिकम् | सुरेश्वराचार्यः | पू | |
| 692 | 483 | तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् | शङ्कराचार्यः | " | |
| " | 484 | वेदान्तसारसङ्ग्रहः | शिवरामभट्टः | " | |
| " | 485 | तद्व्याख्या | " | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 492 | 486 | वेदान्तसारतत्त्वप्रदीपिका | आपदेवः | पू | |
| " | 487 | आत्मबोधप्रकरणम् | शङ्कराचार्यः | " | |
| " | 488 | आशौचव्याख्या | | अ | |
| 68० | 489 | वेदान्तकल्पतरुः | अमलानन्दः | पू | जीर्णतमः |
| 627 | 49० | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | शङ्कराचार्यः | अ | |
| 631 | 491 | न्यायामृतम् | व्यासयतिः | | |
| 66० | 492 | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | शङ्करः | | |
| 7०२ | 493 | तत्त्वसंख्यानम् | आनन्दतीर्थः | पू | |
| " | 494 | तद्विवरणम् | जयतीर्थः | " | |
| " | 495 | तत्त्वविवेकः | आनन्दतीर्थः | " | |
| " | 496 | तद्विवरणम् | जयतीर्थः | " | |
| " | 497 | प्रमाणलक्षणम् | आनन्दतीर्थः | " | |
| " | 498 | मायावादिखण्डनं | स एव | " | |
| " | 499 | उपाधिखण्डनम् | " | " | |
| " | 5०० | मिथ्यात्वानुमानखण्डनम् | " | " | |
| " | 5०१ | प्रमाणलक्षणव्याख्या | | अ | |
| " | 5०२ | भीष्मस्तवराजः | भीष्मः | पू | |
| " | 5०३ | पुण्डरीकाक्षस्तुतिः | | " | |
| " | 5०४ | कृष्णार्जुनीयम् | वासुदेवः | अ | |
| 65० | 5०५ | भगवद्गीता | व्यासः | पू | |
| 628 | 5०६ | न्यायसुधा | जयतीर्थमुनिः | अ | |
| 629 | 5०७ | " | " | " | |
| " | 5०८ | " | " | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 629 | 509 | आनन्दकाननमाहात्म्यम् | वायुपुराणोक्तम् | अ |
| 687 | 510 | तत्वोद्योतटीकाविवरणम् | विजयीन्द्रभिक्षुः | पू |
| " | 511 | तत्वोद्योतपञ्जिकाव्याख्यानम् | वैदेशभिक्षुः | " |
| " | 512 | तत्वविवेकटीकाविवरणम् | श्रीनिवासः | " |
| " | 513 | द्वैतवेदान्तविषयः | " | अ |
| " | 514 | विष्णुतत्वनिर्णयटीकाविवरणम् | श्रीनिवासः | पू |
| 686 | 515 | तन्त्रसारसङ्ग्रहः सटिप्पणः | मूलं) आनन्दतीर्थः टी) शेषाचार्यः | अ |
| " | 516 | उपनिषदः | | पू |
| " | 517 | चक्रस्तुतिः | वादिराजः | " |
| " | 518 | प्रमाणपद्धतिः | जयतीर्थमुनिः | " |
| " | 519 | तत्वसंख्यानविवरणम् | " | " |
| " | 520 | तत्वविवेकविवरणं | " | " |
| " | 521 | तत्वोद्योतविवरणं | " | " |
| " | 522 | पदार्थसङ्ग्रहः | विजयीन्द्रभिक्षुः | " |
| " | 523 | मायावादखण्डनपञ्जिका | श्रीनिवासः | " |
| 687 | 524 | प्रमाणपद्धतिविवरणम् | वैदेशभिक्षुः | " |
| " | 525 | प्रमाणपद्धतिभावदीपः | राघवेन्द्रयतिः | " |
| " | 526 | तत्वप्रकाशिकाटीकाविवरणम् | व्यासयतिः | " |
| " | 527 | मिथ्यानुमानखण्डनपञ्जिकाव्याख्या | श्रीनिवासः | " |
| " | 528 | तत्वसंख्यानटीकाविवरणम् | नृसिंहसूनुविठलः | " |
| " | 529 | नखस्तुतिव्याख्या | विश्वपतिः | " |
| " | 530 | वायुस्तुतिव्याख्या | | अ |
| " | 531 | सालग्रामलक्षणम् | नानापुराणप्रोक्तं | पू |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 682 | 532 | मायावादिखण्डं | आनन्दतीर्थः | पू | द्वैतग्रन्थोऽयं |
| " | 533 | मिथ्यानुमानखण्डनं | " | " | |
| " | 534 | प्रमाणलक्षणम् | " | " | |
| " | 535 | उपाधिखण्डनम् | " | " | |
| " | 536 | तत्वसंख्यानम् | " | " | |
| " | 537 | तत्वविवेकः | " | " | |
| " | 538 | तत्वोद्योतः | " | " | |
| " | 539 | विष्णुतत्वनिर्णयः | आनन्दतीर्थः | " | |
| " | 540 | कथालक्षणम् | " | " | |
| " | 541 | प्रमाणलक्षणटीका | जयतीर्थमुनिः | " | |
| " | 542 | मायावादखण्डनविवरणम् | " | " | |
| " | 543 | तत्वप्रकाशिकाविवरणम् | " | " | |
| " | 544 | मिथ्यात्वानुमानखण्डनविवरणं | " | " | |
| " | 545 | पाषण्डखण्डनम् | वादिराजयतिः | " | |
| 684 | 546 | विष्णुसहस्रनामस्तुतिः | महाभारतोक्तम् | " | |
| " | 547 | तत्वसंख्यानम् | आनन्दतीर्थः | " | |
| " | 548 | तत्वसंख्यानविवरणम् | जयतीर्थभिक्षुः | " | |
| " | 549 | तत्वविवेकः | आनन्दतीर्थः | " | |
| " | 550 | तत्वविवेकविवरणम् | जयतीर्थः | " | |
| " | 551 | मध्वाष्टकम् | वादिराजयतिः | " | |
| " | 552 | श्रीकृष्णस्तवराजः | भीष्माचार्यः | " | |
| ✓ | 553 | अनुस्मृतिः | श्रीनारायणः | " | |
| ✓ | 554 | द्वादशस्तोत्रम् | आनन्दतीर्थः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 684 J | 555 | यमकभारतम् | आनन्दतीर्थः | " | |
| " K | 556 | यमकभारतटीका | यदुवत्सा(पृथा)चार्यः | " | |
| 683 A | 557 | मायावादखण्डनविवरणम् | जयतीर्थभिक्षुः | " | |
| " B | 558 | तत्वप्रकाशिकाविवरणम् | | " | |
| " C | 559 | मिथ्यात्वानुमानखण्डनविवरणम् | जयतीर्थभिक्षुः | " | |
| " D | 560 | प्रमाणलक्षणटीका | " | | |
| 709 | 561 | मायावादिखण्डनं | आनन्दतीर्थः | " | |
| " B | 562 | उपाधिखण्डनम् | " | " | |
| " C | 563 | मिथ्यात्वानुमानखण्डनं | " | " | |
| " D | 564 | प्रमाणलक्षणम् | " | " | |
| " E | 565 | " | " | " | |
| " F | 566 | मायावादखण्डनम् | " | " | |
| " G | 567 | मिथ्यात्वानुमानखण्डनम् | " | " | |
| " H | 568 | उपाधिखण्डनम् | " | " | |
| " I | 569 | तत्वसंख्यानम् | " | " | |
| " J | 570 | तत्वविवेकः | " | " | |
| " K | 571 | तत्वद्योतः | " | " | |
| " L | 572 | ईशावास्योपनिषत् | " | " | |
| " M | 573 | रत्नसङ्ग्रहः | रघुनाथकविः | " | |
| " N | 574 | रत्नसङ्ग्रहव्याख्या | " | अ | |
| " O | 575 | चक्रादिमुद्राधारणप्रशंसा | " | " | |
| " P | 576 | ऊर्ध्वपुण्ड्रधारणचक्रादिमुद्राधारणप्रशंसा | " | " | |
| 689 | 577 | छान्दोग्योपनिषद्व्याख्यटीका | वैदेशभिक्षुः | " | |

| L.No | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 672 | 578 | भगवद्गीता | व्यासः | पू | |
| 3 | 579 | तैत्तिरीयोपनिषत् | | " | |
| C | 580 | सदाचार स्मृतिः | आनन्दतीर्थः | " | |
| 632 | 581 | सिद्धान्तलेशसङ्ग्रहः | अप्पय्यदीक्षितः | " | मुद्रितमिदम् |
| 630 | 582 | न्यायसुधाटिप्पणी | वादिराजयतिः | " | |
| 642 | 583 | ब्रह्मसूत्रभाष्यटीका तत्वप्रकाशिकाख्या | जयतीर्थमुनिः | पू | |
| 638 | 584 | वृन्दावनाख्यानं | वादिराजकविः | " | |
| 637 | 585 | " | " | " | |
| 57 | 586 | " | " | " | |
| 673 | 587 | शिवतत्वविवेकः | अप्पय्यदीक्षितः | " | |
| 707 | 588 | ब्रह्मसूत्रानुव्याख्यानं | आनन्दतीर्थः | अ | |
| 649 | 589 | भगवद्गीता | व्यासः | पू | |
| 646 | 590 | " | " | अ | |
| 973 | 591 | " | " | " | |
| 652 | 592 | " | " | पू | |
| 983 | 593 | वृन्दावनाख्यानम् | वादिराजयतिः | " | |
| 651 | 594 | भगवद्गीता | व्यासः | " | |
| 56 | 595 | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | आनन्दतीर्थः | " | |
| 55 | 596 | " | " | " | |
| 636 | 597 | " | " | " | |
| 639 | 598 | " | " | " | |
| 972 | 599 | " | " | " | |

| ~ No. | S. No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 688 | 600 | ईशावास्योपनिषत् | | पू | |
| " | 601 | षट्प्रश्नोपनिषत् | | " | |
| " | 602 | तलवकारोपनिषत् | | " | |
| " | 603 | माण्डूक्योपनिषत् | | " | |
| " | 604 | मुण्डको आथर्वणोपनिषत् | | " | |
| " | 605 | काठकोपनिषत् | | " | |
| " | 606 | तैत्तिरीयोपनिषत् | | " | |
| " | 607 | याज्ञियोपनिषद्भाष्यं | आनन्दतीर्थः | " | |
| " | 608 | षट्प्रश्नोपनिषद्भाष्यं | " | " | |
| " | 609 | तलवकारभाष्यं | " | " | |
| " | 610 | माण्डूक्यभाष्यम् | " | " | |
| " | 611 | मुण्डक आथर्वणभाष्यम् | " | " | |
| " | 612 | काठकभाष्यम् | " | " | |
| " | 613 | तैत्तिरीयभाष्यं | " | " | |
| " | 614 | छान्दोग्योपनिषत् | | " | |
| " | 615 | बृहदारण्यकोपनिषत् | | " | |
| " | 616 | ऐतरेयोपनिषत् | | " | |
| " | 617 | उपनिषत्- अन्या | | " | |
| " | 618 | मन्त्रव्याख्यानम् | | अ | |
| 982 | 619 | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | आनन्दतीर्थः | " | देवनागरलिपिः |
| " | 620 | ब्रह्मसूत्राणि | व्यासः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 635 | 621 | चित्रदीपिकाव्याख्यानम् | रामकृष्णकविः | पू |
| » | 622 | पञ्चदशिप्रकरणम् | विद्यारण्यमुनिः | अ |
| » | 623 | परिभाषार्थसङ्ग्रहः | वैद्यनाथः | » |
| » | 624 | तद्व्याख्या | » | » |
| 658 | 625 | पाञ्चरात्रपरमसंहिता | » | पू |
| 653 | 626 | एकाग्निकाण्डव्याख्या | हरदत्तः | » |
| 643 | 627 | ब्रह्मसूत्रभाष्यटीका | जयतीर्थः | अ |
| 648 | 628 | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामानि | पाद्मपुराणोक्तं | पू |
| ✓ » | 629 | गुरुगीताशतकं | | अ |
| ✓ » | 630 | आत्मोल्लासः | | पू |
| ✓ » | 631 | आत्मबोधः | शंकराचार्यः | » |
| ✓ 633 | 632 | ब्रह्मगीता | | अ |
| » | 633 | वेदान्तपरिभाषा | धर्मराजदीक्षितः | पू |
| ✓ 641 | 634 | गीतातात्पर्यनिर्णयटीका | जयतीर्थः | » |
| » | 635 | सङ्ग्रहरामायणम् | नारायणपण्डितः | अ |
| ✓ 655 | 636 | गीताभाष्यम् | आनन्दतीर्थः | पू |
| » | 637 | ब्रह्मसूत्रानुव्याख्यानम् | » | » |
| 676 | 638 | विष्णुतत्वनिर्णयटीका | | अ |
| » | 639 | » | | » |
| ✓ » | 640 | अद्वैतखण्डनम् | श्रीनिवासकविः | पू |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 696 | 641 | तन्त्रसारोक्तपूजाप-द्धतिः | जयतीर्थभिक्षुः | अ |
| " | 642 | गीतीसरटिकापूतन-शान्तिः | | पू |
| 647 | 643 | श्रीकृष्णामृतमहार्णवः | आनन्दतीर्थाचार्यः | " |
| " | 644 | अद्वैतखण्डनम् | श्रीनिवासकविः | " |
| 677 | 645 | ईशावास्योपनिषत् | | " |
| " | 646 | तलवकारोपनिषत् | | " |
| " | 647 | माण्डूक्योपनिषत् | | " |
| " | 648 | काठकोपनिषत् | | पू |
| " | 649 | मुण्डक आथर्वणोपनिषत् | | " |
| " | 650 | प्रश्नोपनिषत् | | " |
| " | 651 | तैत्तिरीयोपनिषत् | | " |
| " | 652 | याज्ञीयमन्त्रव्याख्या | आनन्ततीर्थः | " |
| " | 653 | तलवकारभाष्यम् | " | " |
| " | 654 | माण्डूक्यभाष्यम् | " | " |
| " | 655 | काठकभाष्यम् | " | " |
| " | 656 | मुण्डक आथर्वणोपनिषद्भाष्यम् | " | " |
| " | 657 | षट्प्रश्नभाष्यम् | " | " |
| " | 658 | तैत्तिरीयभाष्यं | " | |
| " | 659 | याज्ञीयमन्त्रव्याख्यानविवरणम् | जयतीर्थभिक्षुः | " |
| 664 | 660 | गीताटीका | श्रीधराचार्यः | अ |
| 679 | 661 | सिद्धान्तपञ्चरं सव्याख्यानं | विद्याराजः | पू |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 679 | 662 | रतिरत्नप्रदीपिका | इम्मडिप्रौढदेवेन्द्रः | अ | |
| " | 663 | भावविवेकः | " | पू | |
| " | 664 | सामुद्रिकाशास्त्रम् सङ्ग्राख्यानम् | " | अ | |
| 678 | 665 | छान्दोग्योपनिषदर्थसङ्ग्रहः | राघवेन्द्रयतिः | पू | |
| " | 666 | छान्दोग्योपनिषद्भाष्यं | आनन्दतीर्थमुनिः | " | |
| 700 | 667 | युक्तिमल्लिका | नादिराजयतिः | अ | |
| " | 668 | तन्त्रसारसङ्ग्रहः | आनन्दतीर्थाचार्यः | पू | |
| " | 669 | युक्तिमल्लिकाव्याख्या | सुरोत्तमयोगी | अ | |
| " | 670 | सन्यासविधिः | विष्णुतीर्थपादः | पू | |
| " | 671 | वराहमूर्त्यादिध्याननिरूपणम् | | अ | |
| 699 | 672 | जयन्तीव्रतकल्पः | | पू | |
| 668 | 673 | वेदान्तपरिभाषाप्रकाशिका | वेङ्कटादीक्षितः | अ | |
| 981 | 674 | खण्डनखण्डनखाद्यम् | श्रीहर्षः | पू | |
| 669 | 675 | प्रकाशसंहिता | " | अ | |
| ✓ 706 | 676 | भगवद्गीता | श्रीकृष्णः | " | |
| 698 | 677 | सन्मार्गदीपिका | विजयीन्द्रभिक्षुः | " | |
| 691 | 678 | तन्त्रदीपिका | राघवेन्द्रयतिः | पू | |
| ✓ 656 | 679 | अद्वैतखण्डनम् | " | " | |
| " | 680 | श्रीकृष्णामृतमहार्णवः व्याख्यासहितः | (मू) आनन्दतीर्थः (व्या) कृष्णाचार्यः | " | |
| 681 | 681 | वेदान्तसारः | सदानन्दयतिः | " | |
| " | 682 | वेदान्तरत्नम् | " | " | |

| L.N. | S.N. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 679 | 662 | रतिरत्नप्रदीपिका | इम्मडिप्रौढदेवेन्द्रः | अ | |
| " | 663 | भावविवेकः | " | पू | |
| " | 664 | सामुद्रिकाशास्त्रम् | " | अ | |
| 675 | 665 | छान्दोग्योपनिषदर्थसङ्ग्रहव्याख्यानम् | राघवेन्द्रयतिः | पू | |
| " | 666 | छान्दोग्योपनिषद्भाष्यं | आनन्दतीर्थमुनिः | " | |
| 700 | 667 | युक्तिमल्लिका | नादिराजयतिः | अ | |
| " | 668 | तन्त्रसारसङ्ग्रहः | आनन्दतीर्थाचार्यः | पू | |
| " | 669 | युक्तिमल्लिकाव्याख्या | सुरोत्तमयोगी | अ | |
| " | 670 | सन्यासविधिः | विष्णुतीर्थपादः | पू | |
| " | 671 | वराहमूर्त्यादिध्याननिरूपणम् | | अ | |
| 699 | 672 | जयन्तीव्रतकल्पः | | पू | |
| 668 | 673 | वेदान्तपरिभाषाप्रकाशिका | वेङ्कटदीक्षितः | अ | |
| 981 | 674 | खण्डनखण्डनखाद्यम् | श्रीहर्षः | पू | |
| 669 | 675 | प्रकाशसंहिता | " | अ | |
| ✓ 706 | 676 | भगवद्गीता | श्रीकृष्णः | " | |
| 698 | 677 | सन्मार्गदीपिका | विजयीन्द्रभिक्षुः | " | |
| 691 | 678 | तन्त्रदीपिका | राघवेन्द्रयतिः | पू | |
| ✓ 656 | 679 | अद्वैतखण्डनम् | " | " | |
| " | 680 | श्रीकृष्णामृतमहार्णवः व्याख्यासहितः | (मू) आनन्दतीर्थः (व्या) कृष्णाचार्यः | " | |
| 681 | 681 | वेदान्तसारः | सदानन्दयतिः | " | |
| " | 682 | वेदान्तरत्नम् | " | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 681 | 683 | मुकुन्दस्तवः | सदानन्दयतिः | ,, | |
| ,, D | 684 | ग्रहयज्ञप्रकरणम् | ,, | अ | |
| ,, C | 685 | धर्मसूत्राणि | गौतममुनिः | ,, | |
| 618 | 686 | तत्वोद्योतपञ्चिकाव्याख्या | वैदेशभिक्षुः | पू | |
| 671 | 687 | गुरुनाथपरामर्शः | | ,, | |
| ,, B | 688 | शास्त्रपरामर्शः | | ,, | |
| ,, E | 689 | स्वात्मपरामर्शः | | ,, | |
| ,, D | 690 | रहस्यपञ्चदशिका | अभिनवगुप्तः | ,, | |
| ✓ ,, C | 691 | अनुत्तरत्रिंशिका | | ,, | |
| ,, F | 692 | स्वरूपप्रवेशिका | नागभट्टः | ,, | |
| ,, G | 693 | षट्त्रिंशत्तत्वचर्चा | | ,, | |
| ✓ ,, H | 694 | अनुत्तरश्रीगुरुपंक्तिपरामर्शः | | ,, | |
| ,, I | 695 | शिवसूत्राणि | | ,, | |
| ,, J | 696 | दशश्लोकी | विद्याचक्रवर्ती | ,, | |
| ,, K | 697 | शिवदृष्टिप्रकरणम् | सोमानन्दभट्टः | ,, | |
| ✓ ,, L | 698 | अनुत्तरत्रिंशिकातात्पर्यदीपिका | | ,, | |
| ✓ ,, M | 699 | अनुत्तरत्रिंशिकालघुवृत्तिः | अभिनवगुप्तः | ,, | |
| ✓ ,, N | 700 | अनुत्तरत्रिंशिका | ,, | ,, | |
| ,, O | 701 | प्रबोधपञ्चदशिकाचर्चा | अवधूतमुनिः | ,, | |
| ,, P | 702 | प्रातिपदिकार्थविमर्शः | ,, | ,, | |
| ,, Q | 703 | शिवदृष्टिवृत्तिः | ,, | अ | X |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 665 | 704 | महाग्निसर्वस्वम् | वासुदेवदीक्षितः | अ | |
| 670 | 705 | ऋग्वेदभाष्यम् | आनन्दतीर्थः | पू | |
| ,,1 | 706 | वेदविषयः | | अ | |
| 640 | 707 | ऋग्वेदभाष्यटीका | जयतीर्थभिक्षुः | ,, | |
| 691 | 708 | कृष्णामृतमहार्णवः | आनन्दतीर्थः | पू | |
| ✓ ,, | 709 | अद्वैतखण्डनम् | श्रीनिवासः | ,, | |
| 793 | 710 | परमार्थसारव्याख्या | राघवानन्दः | ,, | |
| ✓ ,,2 | 711 | सर्वसिद्धान्तसङ्ग्रहः | शङ्कराचार्यः | अ | |
| 645 | 712 | तत्वप्रकाशिकाव्याख्या-मन्दारमञ्जरी | व्यासयतिः | ,, | |
| 663 | 713 | मन्त्रार्थमञ्जरी | ,, | ,, | |
| 705 | 714 | तत्वोपदेशः | ,, | ,, | |
| 667 | 715 | ब्रह्मसूत्रानुव्याख्या न्यायविवरणम् | आनन्दतीर्थः | पू | |
| ✓ 53 | 716 | उत्तरगीता | | अ | जीर्णं |
| ,,2 | 717 | श्रीरामहृदयम् | 1.रामायणोक्तम् | ,, | Adhyātma Rām ? |
| ,,3 | 718 | वाक्यवृत्तिः | शङ्कराचार्यः | ,, | |
| ,,4 | 719 | वासुदेवमननम् | | ,, | |
| ✓ 708 | 720 | याज्ञवल्क्यगीता | | ,, | |
| ,,2 | 721 | देवीमाहात्म्यम् | | ,, | |
| ,,3 | 722 | प्रत्यङ्गिरस्सूक्तकल्पः | | ,, | |
| 701 | 723 | शास्त्रसङ्ग्रहः | कृष्णानुभूतियतिः | ,, | |
| 676 | 724 | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | शङ्कराचार्यः | ,, | |

| L.No | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 676 | 725 | पार्षदवृत्तिः | विष्णुमित्रः कुमारापरनामा | अ | |
| ,, | 726 | चक्रमीमांसा | ,, | ,, | |
| 662 | 727 | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | रामानुजाचार्यः | ,, | |
| 674 | 728 | ब्रह्मसूत्राणि | व्यासमुनिः | पू | |
| ,, | 729 | ऐतरेयकोपनिषत् | | ,, | |
| ,, | 730 | ऋग्भाष्यम् | आनन्दतीर्थः | ,, | |
| ,, | 731 | वेदविषयः | | अ | |
| ,, | 732 | उपनिषत् | | पू | |
| 661 | 733 | ब्रह्मसूत्रभाष्यम् | रामानुजाचार्यः | अ | |
| 695 | 734 | भगवदज्जुकप्रकरणम् हसनम् | | ,, | |
| ,, | 735 | सनत्सुजातीयन्यायरत्नम् | | ,, | |
| ,, | 736 | देवीमाहात्म्यन्यायरत्नम् | | ,, | |
| 624 | 737 | भगवद्गीता | श्रीकृष्णः | | |
| ,, | 738 | भागवततात्पर्यनिर्णयः | आनन्दतीर्थः | ,, | |
| ,, | 739 | भगवद्गीताविवृतिः | विद्याधिराजभट्टोपाध्यायः | ,, | |
| ,, | 740 | मृतसंस्कारविधिः | | पू | |
| ,, | 741 | पञ्चयज्ञविधिः | | अ | |
| ,, | 742 | ब्रह्मसूत्रभाष्यटीका | वादिराजयतिः | ,, | |
| 666 | 743 | ऋग्वेदः | | ,, | |
| 704 | 744 | योगविषयः | | पू | |
| ,, | 745 | सांख्यमतविषयः | | ,, | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 704 | 746 | विज्ञानरत्नम् | | पू | |
| " | 747 | वेदान्तविषयः | | अ | |
| 690 | 748 | ऋग्वेदः | | " | |
| 517 | 749 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नंभट्टः | पू | |
| " | 750 | तर्कसंग्रहदीपिका | " | " | |
| " | 751 | सिद्धान्तचन्द्रिका | गङ्गाधरः | " | |
| " | 752 | भाषापरिच्छेदः | विश्वनाथभट्टः | " | |
| " | 753 | मुक्तावली | " | " | |
| 546 | 754 | तर्कपरिभाषा | केशवमित्रः | " | |
| 528 | 755 | तद्व्याख्या | वैद्यनाथभट्टः | " | |
| 529 | 756 | तर्कपरिभाषाव्याख्या | | अ | |
| 540 | 757 | तत्त्वचिन्तामणिः अपरा | गङ्गेशोपाध्यायः | " | |
| 1098 | 758 | तर्कसङ्ग्रहदीपिका | अन्नंभट्टः | पू | |
| " | 759 | व्युत्पत्तिवादटिप्पणी | | अ | |
| " | 760 | पक्षतताविषयः | | " | |
| 518 | 761 | व्युत्पत्तिवादः | दा गङ्गाधरः | " | |
| 521 | 762 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नंभट्टः | पू | |
| " | 763 | तर्कसङ्ग्रहदीपिका | " | " | |
| 524 | 764 | तर्कसङ्ग्रहः | " | " | |
| 539 | 765 | स एव | " | " | |
| 527 | 766 | सिद्धान्तचन्द्रिका | गङ्गाधरः | " | |
| 523 | 767 | तर्कसङ्ग्रहदीपिकाव्याख्यानम् | नीलकण्ठः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 1111 | 768 | बाधबुद्धिप्रतिबन्धकताविचारः | तर्कालङ्कारः | पू | |
| " | 769 | व्युत्पत्तिवादव्याख्या | | अ | |
| 534 | 770 | तर्कसंग्रहः | अन्नंभट्टः | पू | |
| " | 771 | तद्दीपिका | " | " | |
| " | 772 | कारिकावली | विश्वनाथः | " | |
| " | 773 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली | " | " | |
| " | 774 | नैषधीयचरितम् | श्रीहर्षिः | अ | |
| 530 | 775 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नंभट्टः | पू | |
| " | 776 | तद्दीपिका | " | " | |
| " | 777 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली | विश्वनाथः | " | |
| " | 778 | सिद्धान्तचन्द्रिका | गङ्गाधरसूरिः | " | |
| " | 779 | कारिकावली | विश्वनाथः | " | |
| 544 | 780 | " | " | " | |
| " | 781 | मुक्तावली | " | " | |
| 1112 | 782 | तत्त्वचिन्तामणिप्रकाशः | रुचिदत्तः | अ | |
| 1109 | 783 | " | " | " | |
| 1030 | 784 | तर्कसङ्ग्रहदीपिकाव्याख्या | रामरुद्रभट्टः | " | |
| 522 | 785 | तर्कसङ्ग्रहप्रकाशिका | पुरुषोत्तमः | पू | |
| 520 | 786 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नंभट्टः | " | |
| 1091 | 787 | तत्प्रकाशिका | पुरुषोत्तमः | अ | |
| 525 | 788 | " | " | पू | |
| " | 789 | एकश्लोकव्याख्या | स्वयंप्रकाशमुनिः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 1118 | 790 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीव्याख्या | | अ |
| 1119 | 791 | " | " | " |
| 531 | 792 | शब्दशक्तिप्रकाशिका | जगदीशः | " |
| 535 | 793 | तर्कपरिभाषा | केशवमित्रः | पू |
| " | 794 | कारिकावली | विश्वनाथः | " |
| 1088 | 795 | तर्कसंग्रहव्याख्या | पुरुषोत्तमः | " |
| 538 | 796 | व्युत्पत्तिवादः | गङ्गाधरभट्टः | अ |
| " | 797 | चित्रमीमांसा | | " |
| 541 | 798 | न्यायप्रकाशः | गीर्वाणेन्द्रयज्वा | पू |
| 542 | 799 | " | " | अ |
| 519 | 800 | मुक्तावलीव्याख्या | दिनकरभट्टः | " |
| 526 | 801 | " | " | " |
| 543 | 802 | न्यायचन्द्रिका | केशवभट्टः | पू |
| 1086 | 803 | मुक्तावलीव्याख्या-प्रभा | रायनसिंहः | अ |
| 549 | 804 | मुक्तावलीव्याख्या | महादेवदिनकरभट्टौ | " |
| 999 | 805 | दिनकरटिप्पणी | रङ्गनाथः | पू |
| " | 806 | सैवान्या | " | अ |
| 1105 | 807 | बाधबुद्धिप्रतिबन्धकतर्कविचारः | तर्कालङ्कारभट्टः | पू |
| 532 | 808 | मुक्तावलीव्याख्या | महादेवदिनकरभट्टौ | " |
| 548 | 809 | " | " | अ |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 538 | 810 | मुक्तावलीप्रकाशः | महादेवदिनक-रभट्टौ | अ |
| 541 | 811 | तर्कपरिभाषाव्याख्याप्रकाशिका | चेन्निभट्टः | पू |
| 1100 | 812 | वैशेषिकदर्शनभाष्यम् | प्रशस्तपादमुनिः | " |
| 533 | 813 | सिद्धान्तमञ्जरीदीपिका | श्रीकण्ठशर्मा | अ |
| 1096 | 814 | न्यायसिद्धान्तमञ्जरी | जानकीनाथभट्टः | " |
| 515 | 815 | तद्दीपिका | श्रीकण्ठशर्मा | " |
| " | 816 | व्युत्पत्तिवादः | गदाधरभट्टः | " |
| 1099 | 817 | दिनकरीयव्याख्यातरङ्गिणी | रामरुद्रभट्टः | " |
| " | 818 | श्रीरामोदन्तव्याख्या चन्द्रिकाख्या | | पू |
| 531 | 819 | पञ्चलक्षणी | गदाधरः | अ |
| 532 | 820 | चतुर्दशलक्षणी | " | अ |
| 1090 | 821 | कारिकावली | विश्वनाथः | पू |
| 346 | 822 | शृङ्गारप्रकाशः | भोजराजः | अ |
| 1000 | 823 | सरस्वतीकण्ठाभरणम् | " | " |
| 632 | 824 | ध्वन्यालोकलोचनव्याख्यानम् | | " |
| 550 | 825 | शास्त्रदीपिकाव्याख्या-मयूखमालिका | सोमनाथदीक्षितः | " |
| 552 | 826 | शास्त्रदीपिका | पार्थसारथिमिश्रः | " |
| 556 | 827 | तद्व्याख्या | सोमनाथदीक्षितः | " |
| 559 | 828 | शास्त्रदीपिका | पार्थसारथिमिश्रः | " |
| 555 | 829 | मीमांसासूत्रभाष्यं | शबरस्वामी | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 551 | 830 | मीमांसासूत्रभाष्यम् | शबरस्वामी | अ | |
| 561 | 831 | भाट्टदीपिका | श्रीकृष्णदेवः | " | |
| 553 | 832 | " | " | " | |
| 552 | 833 | मीमांसाविषयः | | " | |
| 562 | 834 | जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः | माधवाचार्यः | " | |
| 1084 | 835 | " | " | " | |
| 569 | 836 | मीमांसाधर्मसूत्रपाठः | जैमिनिमुनिः | " | |
| " | 837 | बृहदारण्यकोपनिषत् | | " | |
| 554 | 838 | न्यायकोशः | | " | |
| 56 | 839 | विजयम् | अनन्तनारायणमिश्रः | " | |
| 558 | 840 | मीमांसान्यायप्रकाशः | आपदेवः | पू | |
| 557 | 841 | मानमेयोदयः | नारायणकविः | " | |
| 1110 | 842 | दीधितिव्याख्यानं | मथुरानाथः | अ | |

## धर्मशास्त्र ग्रन्थाः

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 491 | 843 | कर्मविपाकः महार्णवः | मान्धाता | पू | |
| " | 844 | कुष्ठरोगप्रायश्चित्तप्रकारः | | " | |
| " | 845 | दाननिरूपणम् | | " | |
| " | 846 | नवग्रहयज्ञप्रकारः | | " | |
| 971 | 847 | मनुस्मृतिव्याख्या | नन्दनाचार्यः | अ | |
| 511 | 848 | प्रायश्चित्तग्रन्थः | हेमाद्रिः | " | |
| " | 849 | मनुस्मृतिव्याख्यानं | नन्दनाचार्यः | पू | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषः |
|---|---|---|---|---|---|
| 510 | 850 | प्रायश्चित्तग्रन्थः | वैद्यनाथदीक्षितः | पू | |
| 497 | 851 | पराशरस्मृतिव्याख्या | माधवाचार्यः | अ | |
| 498 | 852 | नीतिसारः | कामन्दकः | पू | |
| " | 853 | तद्व्याख्या | शङ्कराचार्यः | " | |
| 512 | 854 | नीतिसारः | कामन्दकः | " | |
| " | 855 | तद्व्याख्या | शङ्कराचार्यः | " | |
| 508 | 856 | कर्मविपाकमहार्णवः | मान्धाता | अ | |
| 499 | 857 | पराशरस्मृतिव्याख्या | माधवाचार्यः | " | |
| " | 858 | पुरुषसूक्तादिमन्त्रव्याख्यानं | विज्ञानात्मभगवान् | " | |
| 970 | 859 | प्रायश्चित्तसुधानिधिः | सायणाचार्यः | पू | |
| " | 860 | कर्मविपाकार्कः | शङ्करभट्टः | " | |
| 487 | 861 | हेमाद्रिकृतप्रायश्चित्तसंग्रहः | | अ | |
| 490 | 862 | दानपद्धतिः | | " | |
| 489 | 863 | " | | " | |
| 492 | 864 | याज्ञवल्क्यस्मृतिव्याख्या | विज्ञानेश्वरभट्टारकः | " | |
| " | 865 | सूर्यादिग्रहप्रतिमादानविधिः | | पू | |
| 105 | 866 | शिवधर्मोत्तरः | नन्दिकेश्वरः | अ | जीर्णम् |
| 493 | 867 | कर्मविपाकप्रायश्चित्तसुधानिधिः | सायणाचार्यः | पू | |
| " | 868 | उपरागशान्तिः | यमलः | " | |
| 106 | 869 | पराशरस्मृतिव्याख्यानम् | माधवाचार्यः | अ | |
| 502 | 870 | आशौचदीपकम् | | पू | केरलभाषा |
| 486 | 871 | मनुस्मृतिः | | अ | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 486 | 872 | प्रपञ्चसारः | शङ्कराचार्यः | अ | |
| 514 | 873 | आशौचदशकव्याख्यानं | | पू | |
| » | 874 | त्रिंशच्छ्लोकीव्याख्यानम | | » | |
| » | 875 | आशौचनिर्णयः | त्र्यम्बकपण्डितः | » | |
| 504 | 876 | सदाचारस्मृतिव्याख्या | आपिनृसिंहः | » | |
| 501 | 877 | » | » | » | |
| » | 878 | आह्निकविधिः | | » | |
| » | 879 | जयन्तीकल्पः | आनन्दतीर्थः | » | |
| 101 | 880 | व्यवहारमाला | | अ | |
| 1033 | 881 | आह्निकसंग्रहः | | पू | |
| 500 | 882 | आशौचदीपिका | | » | |
| 482 | 883 | पराशरस्मृतिः | पराशरः | » | |
| » | 884 | शैवसर्वस्वखण्डनं | विजयीन्द्रयतिः | » | |
| » | 885 | याज्ञवल्क्यस्मृतिः | याज्ञवल्क्यः | अ | |
| 971 | 886 | मनुस्मृतिव्याख्यानं | नन्दनाचार्यः | » | |
| 928 | 887 | सर्वदर्शनसंग्रहः | माधवाचार्यः | पू | |
| 488 | 888 | प्रायश्चित्तसंग्रहः | हेमाद्रिः | अ | |
| 1080 | 889 | दानपद्धतिः | | » | |
| 494 | 890 | व्यवहारतत्त्वम | रघुनन्दनः | » | |
| » | 891 | दायभागस्मृतितत्त्वं | रघुनन्दनभट्टः | पू | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 494 | 892 | दायाधिकारक्रमसंग्रहः | श्रीकृष्णशर्मा | पू | |
| 516 | 893 | वृन्दावनाख्यानं | वादिराजयतिः | » | |
| ✓ | 894 | औशौचव्याख्या | | अ | |
| 468 | 895 | कर्मसिद्धान्तः | पुरुषोत्तमः | पू | |
| » | 896 | वसिष्ठस्मृतिः | वसिष्ठः | » | |
| 485 | 897 | मानवस्मृतिः | मनुः | अ | |
| » | 898 | प्रपञ्चसारः | शङ्कराचार्यः | » | |
| 507 | 899 | शान्तिप्रकरणम् | | » | |
| 496 | 900 | प्रायश्चित्तकाण्डः | वैद्यनाथदीक्षितः | पू | |
| 505 | 901 | चतुर्वर्गचिन्तामणिः | हेमाद्रिः | अ | |
| ✓ 509 | 902 | आशौचचन्द्रिका | परमेश्वरद्विजः | पू | |
| » | 903 | प्रायश्चित्तग्रन्थः एकश्वासविधानापरनामकः | | ,, | |
| ✓ 503 | 904 | आश्वलायनसूत्रं श्रौतं | | अ | |
| ✓ 484 | 905 | आचारसंग्रहः | | पू | |
| 108 | 906 | महार्णवः | मान्धाता | अ | जीर्णः |
| ✓ 441 | 907 | सर्वसिद्धान्तसंग्रहः | | पू | |
| » | 908 | चतुर्वर्गचिन्तामणिः | हेमाद्रिः | अ | |
| » | 909 | मन्त्रवादविषयः | | » | |
| » | 910 | पूजाविषयः | | ,, | |
| ✓ 515 | 911 | आशौचविषयः | महिषमङ्गलद्विजः | » | |
| ✓ 468 | 912 | अनन्तव्रतोद्यापनादिविषयः | | ,, | |
| ✓ 513 | 913 | आह्निकाचारविधिः | | » | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 32 | 914 | कर्णपर्व | वेदव्यासः | अ | |
| 29 | 915 | हरिवंशम् | ,, | ,, | |
| 31 | 916 | अनुशासनपर्व | ,, | पू | |
| 4 | 917 | सम्भवपर्व | ,, | ,, | |
| 40 | 918 | शान्तिपर्व | ,, | अ | |
| 20 | 919 | विराटपर्व | ,, | ,, | |
| 9 | 920 | सम्भवपर्व | ,, | ,, | |
| 24 | 921 | उद्योगपर्व | ,, | पू | |
| 22 | 922 | ,, | ,, | ,, | |
| 33 | 923 | शल्यपर्व | ,, | ,, | |
| ,, | 924 | सौप्तिकपर्व | ,, | ,, | |
| ,, | 925 | ऐषीकपर्व | ,, | ,, | |
| ,, | 926 | स्त्रीपर्व | ,, | ,, | |
| 43 | 927 | महाभारतम् | ,, | अ | |
| 27 | 928 | भीष्मपर्व | ,, | पू | |
| 28 | 929 | ,, | व्यासः | ,, | |
| 1 | 930 | आत्मबोधव्याख्यानम् | | ,, | |
| ,, | 931 | महाभारतम् | व्यासः | अ | |
| 31 | 932 | कर्णपर्व | ,, | पू | |
| 11 | 933 | आरण्यपर्व | | अ | |
| 2 | 934 | सम्भवपर्व | | ,, | |

| L.N. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| १६६ | १३५ | आरण्यपर्व | व्यासः | पू | |
| 37 | १३६ | शान्तिपर्व | " | अ | |
| ३१ | १३७ | " | " | " | |
| १६५ | १३८ | उद्योगपर्व | " | पू | |
| 7 | १३९ | सभापर्व | " | अ | |
| ३४ | १४० | शान्तिपर्व | " | पू | |
| " | १४१ | अनुशासनपर्व | " | अ | |
| २१ | १४२ | द्रोणपर्व | " | पू | |
| ३६ | १४३ | शान्तिपर्व | " | अ | |
| १५१ | १४४ | सभापर्व | " | पू | |
| २३ | १४५ | उद्योगपर्व | " | अं | |
| १६१ | १४६ | शेषधर्मम् | " | पू | |
| 5 | १४७ | महाभारतम् | " | अ | |
| ४६ | १४८ | महाभारते अश्वमेधिकादिस्वर्गारोहणपर्वान्तम् | " | " | |
| १० | १४९ | आरण्यपर्व | " | पू | |
| ३० | १६० | द्रोणपर्व | " | " | जीर्णः |
| ५१ | १६१ | शेषधर्मः | " | " | |
| २६ | १६२ | उद्योगपर्व | " | अ | |
| " | १६३ | नीतिसारः | कामन्दकः | पू | |
| २१ | १६४ | विराटपर्व | व्यासः | " | |
| ३५ | १६५ | शल्यपर्व | " | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 34½ | 956 | सौप्तिकपर्व | व्यासः | पू | |
| ,, 3 | 957 | ऐषिकपर्व | ,, | ,, | |
| ,, 4 | 958 | स्त्रीपर्व | ,, | ,, | |
| 145 | 959 | उद्योगपर्व | ,, | अ | जीर्णं |
| 147 | 960 | ,, | ,, | ,, | |
| 12 | 961 | आरण्यपर्व | ,, | ,, | |
| 146 | 962 | ,, | ,, | ,, | |
| 148 | 963 | कर्णपर्व | ,, | ,, | |
| 14 | 964 | विराटपर्व | ,, | पू | |
| 58 | 965 | महाभारतटिप्पणी | वादिराजयतिः | ,, | |
| 8 | 966 | सभापर्व | ,, | ,, | |
| 18 | 967 | विराटपर्व | ,, | ,, | |
| 20 | 968 | ,, | ,, | अ | |
| 44 | 969 | महाभारतम् | ,, | ,, | |
| 42 | 970 | अनुशासनपर्व | ,, | ,, | |
| 6 | 971 | आरण्यपर्व | ,, | पू | |
| 16 | 972 | विराटपर्व | ,, | ,, | |
| 17 | 973 | ,, | ,, | अ | |
| ,, 2 | 974 | आस्तिकपर्व | ,, | ,, | |
| ,, 5 | 975 | सम्भवपर्व | ,, | ,, | |
| 31 | 976 | ,, | ,, | ,, | |
| 42 | 977 | विष्णुपञ्जरस्तुतिः | | पू | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषः |
|---|---|---|---|---|---|
| 33 | 978 | सभापर्व | व्यासः | पू | |
| 48 | 979 | शेषधर्मः | ,, | ,, | |
| 35 | 980 | शल्यपर्व | ,, | अ | |
| 15 | 981 | विराटपर्व | ,, | पू | |
| 988 | 982 | ,, | ,, | ,, | |
| 54 | 983 | हरिवंशम | ,, | अ | |
| 53 | 984 | ,, | ,, | ,, | जीर्णम |
| 60 | 985 | ,, | ,, | ,, | |
| 149 | 986 | ,, | ,, | ,, | |
| 51 | 987 | ,, | ,, | ,, | |
| 52 | 988 | ,, | ,, | ,, | |
| 46 | 989 | ,, | ,, | पू | |
| 57 | 990 | शान्तिपर्वव्याख्या | | अ | |
| 1107 | 991 | ,, | | ,, | |
| ,, | 992 | ,, | | ,, | |
| 55 | 993 | ,, | नन्दनाचार्यः | ,, | |
| 56 | 994 | शान्तिपर्वव्याख्या | ,, | ,, | |
| 61 | 995 | महाभारततात्पर्यनिर्णयः | आनन्दतीर्थाचार्यः | पू | |
| 59 | 996 | ,, | ,, | ,, | |
| 60 | 997 | ,, | ,, | अ | |
| 13 | 998 | भारततात्पर्यनिर्णयटीका | वादिराजः | ,, | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 62 | 999 | भारततात्पर्यनिर्णयटीका | वरदराजः | पू | |
| 25 | 1000 | 〃 | वादिराजः | 〃 | |
| 153 | 1001 | रामायणम् | वाल्मीकिः | अ | |
| 154 | 1002 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 157 | 1003 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 155 | 1004 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 170 | 1005 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 184 | 1006 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 〃 | 1007 | वेदविषयः | | 〃 | |
| 158 | 1008 | रामायणं | वाल्मीकिः | पू | |
| 953 | 1009 | 〃 | 〃 | अ | |
| 159 | 1010 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 172 | 1011 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 152 | 1012 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 954 | 1013 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 156 | 1014 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 952 | 1015 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 950 | 1016 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 166 | 1017 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 163 | 1018 | 〃 | 〃 | 〃 | |
| 142 | 1019 | 〃 | 〃 | 〃 | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 169 | 1020 | रामायणम् | वाल्मीकिः | अ | |
| 144 | 1021 | सुन्दरकाण्डः | ,, | ,, | |
| ,, | 1022 | पुराणसंग्रहः | | ,, | |
| 176 | 1023 | उत्तररामायणम् | वाल्मीकिः | ,, | |
| 164 | 1024 | युद्धकाण्डम् | ,, | ,, | |
| 141 | 1025 | उत्तररामायणम् | ,, | ,, | |
| 143 | 1026 | आरण्यकाण्डम् | ,, | ,, | |
| 160 | 1027 | बालकाण्डम् | ,, | पू | |
| 140 | 1028 | ,, | ,, | अ | |
| 162 | 1029 | सुन्दरकाण्डः | ,, | ,, | |
| 174 | 1030 | ,, | ,, | ,, | |
| 167 | 1031 | ,, | ,, | ,, | |
| 179 | 1032 | ,, | ,, | ,, | |
| 168 | 1033 | युद्धकाण्डम् | ,, | ,, | |
| ,, | 1034 | उपरागक्रियाक्रमः | | ,, | |
| 177 | 1035 | वाल्मीकिरामायण-व्याख्या | वरदराजः | ,, | |
| ,, | 1036 | ,, | कन्दाल्लरामानुजः | ,, | |
| 181 | 1037 | संग्रहरामायणम् | नारायणपण्डितः | पू | |
| 161 | 1038 | ,, | ,, | ,, | |
| 165 | 1039 | ,, | ,, | ,, | |
| 172 | 1040 | अध्यात्मरामायणं | व्यासः | अ | |
| 178 | 1041 | ,, | ,, | ,, | |
| | | भागवत ग्रन्थाः | | | |
| 99 | 1042 | विष्णुभागवतं सटीकम् | व्यासः | ,, | |
| 63 | 1043 | विष्णुभागवतं (मूलं) | व्यासः व्या० विजयध्वजभट्टारकः | ,, | |

| L.N. | S.N. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 70 | 1044 | विष्णुभागवतंमूलं | व्यासः | अ |
| 65 | 1045 | " | " | " |
| 64 | 1046 | " | " | " |
| 103 | 1047 | भागवतटीका | विजयध्वजभट्टारकः | " |
| 105 | 1048 | " | " | " |
| 105 | 1048 | वेङ्कटेशमाहात्म्यं | व्यासः | " |
| 106 | 1050 | भागवतटीका | विजयध्वजभट्टारकः | " |
| 104 | 1051 | " | " | " |
| 101 | 1052 | " | " | " |
| 100 | 1053 | " | " | " |
| 73 | 1054 | भागवतमूलग्रन्थः | व्यासः | " |
| 963 | 1055 | " | " | " |
| 108 | 1056 | तद्व्याख्यानम् | श्रीधरस्वामी | " |
| 66 | 1057 | भागवतमूलग्रन्थः | व्यासः | पू |
| 86 | 1058 | भागवतं मूलम् | " | अ |
| 68 | 1059 | भागवतपुराणं मूलमात्रम् | " | " |
| 71 | 1060 | भागवतं मूलम् | " | " |
| 88 | 1061 | " | " | " |
| 72 | 1062 | " | " | " |
| 63 | 1063 | रामायणम् | वाल्मीकिः | " |
| 67 | 1064 | भागवतं मूलम् | व्यासः | " |
| 110 | 1065 | तद्विप्पणी | | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 110 (2) | 1066 | वृन्दावनाख्यानव्याख्यानम् | राजगोपालः | अ | |
| 98 | 1067 | भागवतं मूलम् | व्यासः | ,, | |
| " | 1068 | तद्व्याख्या | लक्ष्मीधरकविः | ,, | |
| 77 | 1069 | भागवतं मूलम् | व्यासः | ,, | |
| 74 | 1070 | भागवते दशमस्क- | ,, | ,, | |
| 107 | 1071 | भागवतव्याख्या ग्रन्थः | श्रीधरस्वामी | ,, | |
| 114 | 1072 | भागवतव्याख्या | राघवानन्दमुनिः | छ | केरलभाषा |
| 113 | 1073 | ,, | ,, | ,, | ,, |
| 102 | 1074 | ,, | विजयध्वजभिक्षुः | ,, | |
| 81 | 1075 | भागवतं मूलम् | व्यासः | ,, | |
| 109 | 1076 | तद्व्याख्या | श्रीधरस्वामी | ,, | |
| 80 | 1077 | भागवतं मूलम् | व्यासः | ,, | |
| 84 | 1078 | ,, | ,, | ,, | |
| 83 | 1079 | ,, | ,, | ,, | |
| 116 | 1080 | भागवततात्पर्यवि- वृतिः | | ,, | |
| 75 | 1081 | भागवतं मूलम् | ,, | ,, | |
| 75 | 1082 | अष्टाक्षरकल्पः मन्त्र- विषयः | | पू | |
| 882 | 1083 | भागवते द्वादशस्कन्धः | ,, | ,, | |
| 92 | 1084 | भागवते दशमस्कन्धः | ,, | अ | |
| 96 | 1085 | ,, | ,, | ,, | |
| 83 | 1086 | तत्र एकादशस्कन्धः | ,, | ,, | |
| 78 (1) | 1087 | वैशाखमाहात्म्यं | ,, | पू | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 78 (2) | 1088 | भागवते द्वादशस्कन्धः | व्यासः | पू |
| 111 | 1089 | भागवततात्पर्यनिर्णयः | आनन्दतीर्थाचार्यः | अ |
| 112 | 1090 | " | " | " |
| " | 1091 | जयन्तीकल्पः | " | पू |
| 152 | 1092 | विष्णुरागसतम् | व्यासः | " |
| 69 | 1093 | " | " | " |
| 85 | 1094 | " | " | " |
| 153 | 1095 | " | " | " |
| 71 | 1096 | भागवतपुराणम् | " | अ |
| 155 | 1097 | तत्र दशमस्कन्धः | " | " |
| 91 | 1098 | " | " | " |
| 150 | 1099 | भागवतम् | " | " |
| 89 (2) | 1100 | दशमस्कन्धः | " | पू |
| " | 1101 | विष्णुपादादिकेशान्तस्तुतिः | शङ्कराचार्यः | अ |
| 154 | 1102 | भागवतं दशमम् | व्यासः | " |
| 87 | 1103 | " | " | " |
| 156 | 1104 | भागवतम् | " | " |
| 82 | 1105 | दशमस्कन्धः | " | " |
| 151 | 1106 | " | " | " |
| 81 | 1107 | " | " | " |
| 157 | 1108 | भागवतपुराणम् | " | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| | | भागवतभिन्नपुराणग्रन्थाः | | |
| 118 | 1109 | ब्रह्माण्डपुराणम् | व्यासः | अ |
| 129 | 1110 | " | " | " |
| 79 | 1111 | भागवतपुराणम् | " | " |
| 138 | 1112 | ब्रह्माण्डपुराणम् | " | " |
| " | 1113 | रामायणम् | वाल्मीकिः | " |
| 961 | 1114 | ब्रह्माण्डपुराणम् | व्यासः | " |
| 131 | 1115 | " | " | " |
| 139 | 1116 | शैवपुराणम् | " | " |
| 124 | 1117 | " | " | " |
| 143 | 1118 | ब्रह्माण्डपुराणम् | " | " |
| 556 | 1119 | पुराणसंग्रहः | " | " |
| 137 | 1120 | मार्कण्डेयपुराणम् | " | " |
| 126 | 1121 | " | " | " |
| 136 | 1122 | स्कान्दपुराणम् | " | " |
| 132 | 1123 | ब्रह्माण्डपुराणम् | " | " |
| " | 1124 | विष्णुभागवतव्याख्या | व्यासः | " |
| 1032 | 1125 | वाराहपुराणम् | " | " |
| 144 | 1126 | विष्णुपुराणम् | " | " |
| 117 | 1127 | " | " | पू |
| 4111 | 1128 | गारुडपुराणम् | " | अ |
| 123 | 1129 | प्रमाणसंग्रहः पुराणतात्पर्यसंग्रहः | लक्ष्मणकविः | पू |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निर्देशाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 127 | 1130 | स्कान्दपुराणम् | व्यासः | अ | |
| 128 | 1131 | केरलमाहात्म्यं | " | पू | |
| " | 1132 | पुराणसंग्रहः | " | अ | |
| 128 | 1133 | हरिभक्तिसुधोदयः | " | पू | |
| " | 1134 | नीतिलक्षणसंग्रहः | | अ | |
| 659 | 1135 | अहिर्बुध्न्यसंहिता | | " | |
| 1113 | 1136 | " (तन्त्ररहस्यं) | | " | |
| 130 | 1137 | पुराणसंग्रहः | | " | |
| 120 | 1138 | सेतुमाहात्म्यम् | व्यासः | पू | |
| 138 | 1139 | पुराणसंग्रहः | | अ | |
| 1077 | 1140 | शिवतत्त्वसुधानिधिः | व्यासः | पू | |
| " | 1141 | धर्मशास्त्रविषयः | | अ | |
| 142 | 1142 | गारुडपुराणम् | व्यासः | " | |
| 140 | 1143 | हरिभक्तिसुधोदयः | | " | |
| " | 1144 | नृसिंहनामाष्टोत्तरशतकम् | ब्रह्मर्षिः | पू | |
| 135 | 1145 | हरिभक्तिसुधोदयः | | अ | |
| 134 | 1146 | पुराणसंग्रहः | | " | |
| 133 | 1147 | " | | " | |
| 131 | 1148 | " | | " | |
| 145 | 1149 | धर्मसंहिता | | " | |
| 125 | 1150 | " | | " | |
| " | 1151 | अहिर्बुध्न्यसंहिता | | " | |
| 150 | 1152 | लिङ्गपुराणम् | व्यासः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | निर्देशाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 146 | 1153 | स्कान्दे सूतसंहिता | व्यासः | अ | |
| 148 | 1154 | मार्कण्डेयपुराणम् | " | " | |
| " | 1155 | अग्निचयनप्रयोगः वैदिकविषयः | " | " | |
| 147 | 1156 | स्कान्दे ब्रह्मोत्तरखण्डः | " | पू | |
| 149 | 1157 | " | " | अ | |
| 119 | 1158 | माघमाहात्म्यम् | " | पू | |
| " | 1159 | कार्तिकमाहात्म्यं | " | " | |
| 366 | 1160 | माघमाहात्म्यम् | " | " | |
| 370 | 1161 | नारायणीयम् | नारायणभट्टः | " | |
| 376 | 1162 | " | " | " | |
| 378 | 1163 | " | " | " | |
| 377 | 1164 | वैशाखमाहात्म्यम् | व्यासः | " | |
| 380 | 1165 | " | " | " | |
| 371 | 1166 | नारायणीयं स्तोत्ररत्नम् | नारायणभट्टः | अ | |
| 373 | 1167 | बिल्वाद्रिमाहात्म्यं | | " | |
| 363 | 1168 | अम्बास्तवः | शङ्करः | पू | |
| " | 1169 | सकलजननीस्तवः | " | " | |
| " | 1170 | चर्चास्तवः | " | " | |
| " | 1171 | मातृकापुष्पमालास्तवः | " | " | |
| " | 1172 | वागीशीस्तवः | " | " | |
| " | 1173 | विंशतिस्तवः | " | " | |
| " | 1174 | सौन्दर्यलहरीस्तवः | शङ्कराचार्यः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 363 | 1175 | समस्तेशिस्तवः | शङ्कराचार्यः | पू |
| " ८ | 1176 | श्रीस्तुतिः | " | " |
| " ९ | 1177 | देवीसप्तशतिस्तुतिः | " | " |
| " १० | 1178 | शिवभुजङ्गस्तुतिः | " | " |
| " ११ | 1179 | विष्णुभुजङ्गस्तुतिः | " | अ |
| " १२ | 1180 | देवीमाहात्म्यम् | व्यासः | " |
| 364 | 1181 | वेङ्कटेशमाहात्म्यं | / " | पू |
| " १ | 1182 | गुरुराजस्तुतिः | वेदवेद्यः | " |
| " २ | 1183 | लक्ष्मीस्तुतिः | वादिराजयतिः | " |
| " ३ | 1184 | हयग्रीवस्तुतिः | " | " |
| " ४ | 1185 | नारायणहृदयस्तुतिः | व्यासः | " |
| " ५ | 1186 | ब्रह्मपारस्तुतिः | " | " |
| " ६ | 1187 | दामोदराष्टोत्तरशतनामानि | " | " |
| 364 | 1188 | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामानि | | " |
| " ८ | 1189 | पुण्डरीकाक्षस्तोत्रं | | " |
| " ९ | 1190 | वादिराजकवचम् | | " |
| " १० | 1191 | स्वाप्नवृन्दाननाख्यानम् | वादिराजयतिः | " |
| " ११ | 1192 | नरसिंहाष्टोत्तरशतनामानि | " | " |
| " १२ | 1193 | मध्वाष्टकम् | " | " |
| " १३ | 1194 | मध्वप्रतापाष्टकम् | " | " |
| " १४ | 1195 | नरसिंहस्तोत्रम् | लिकचतिलकसूनुः | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 364 | 1196 | नवग्रहस्तोत्रम् | वादिराजयतिः | पू |
| " | 1197 | दुर्गास्तोत्रम् | " | " |
| " | 1198 | मङ्गलाष्टशतकम् | बलभद्रस्वामी | " |
| " | 1199 | अनुस्मृतिः | नारदमुनिः | " |
| " | 1200 | माधवस्तवराजः | व्यासः | " |
| " | 1201 | श्रीकृष्णस्तवराजः | भीष्मः | " |
| " | 1202 | द्वादशस्तोत्रम् | आनन्दतीर्थः | " |
| " | 1203 | नरसिंहाष्टोत्तरशतनामस्तुतिः | | " |
| " | 1204 | विष्णुकवचम् | व्यासः | " |
| " | 1205 | पञ्चायुधस्तोत्रम् | | " |
| " | 1206 | हरिस्तुतिः | व्यासः | " |
| " | 1207 | विष्णुपञ्जरस्तुतिः | | " |
| " | 1208 | वराहस्तोत्रम् | | " |
| " | 1209 | नारायणपूजाकल्पः | | " |
| " | 1210 | लक्ष्मीहृदयम् | | " |
| " | 1211 | वेङ्कटेशस्तोत्रम् | व्यासः | " |
| " | 1212 | शिवस्तुतिः | नारायणपण्डितः | " |
| " | 1213 | श्रीकृष्णस्तुतिः | मार्कण्डेयमुनिः | " |
| " | 1214 | भद्रकालीस्तवः | | " |
| " | 1215 | समुद्रस्नानविधिः | | अ |
| " | 1216 | सदाचारस्मृतिः | आनन्दतीर्थः | " |
| " | 1217 | गोपालमन्त्राः | | " |

| L.N.S.N. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 364 1218 | रामायणम् | वाल्मीकिः | अ | |
| " 1219 | तत्वसंख्यानम् | आनन्दतीर्थः | पू | |
| " 1220 | तत्वविवेकः | " | " | |
| " 1221 | भगवत्पूजाविधिः | | " | |
| " 1222 | विष्णुस्तुतिः | वादिराजः | " | |
| " 1223 | षोडशनामस्तुतिः | | " | |
| " 1224 | व्यासाष्टकम् (नृसिंहस्तोत्रम्) | वादिराजः | " | |
| " 1225 | नष्टसन्तानगोपाल-मन्त्रः | | " | |
| " 1226 | श्रीरामकवचम् | वादिराजः | " | |
| " 1227 | धन्वन्तर्यादिमनु-मञ्जरी | " | " | |
| " 1228 | भगवतो दशावतार-विषयः | | " | |
| " 1229 | पञ्चगव्यनिर्माणवि-धिमन्त्रकल्पः | | " | |
| " 1230 | अश्विन्यादिनक्षत्र-देवतानामानि | | " | |
| " 1231 | वैदिकनानामञ्जरि-षयः | | " | |
| 368 1232 | कार्तिकमाहात्म्यं | व्यासः | " | |
| " 1233 | श्रीकृष्णाष्टमीव्रतमा-हात्म्यं | " | " | |
| 392 1234 | भद्रकालीमाहात्म्यं | " | अ | |
| 42. 1235 | देवीमाहात्म्यं | " | " | |
| 421 1236 | वैशाखमाहात्म्यं | " | पू | |
| 388 1237 | देवीमाहात्म्यम् | " | " | |
| 385 1238 | एकादशीमाहात्म्यं | | " | |
| 383 1239 | लक्ष्मीनामसहस्रं | | अ | |

| L.N. | S.N. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 383 | 1240 | लक्ष्म्या अष्टोत्तरशतनामानि | | पू | |
| " | 1241 | शिवस्तोत्रम् | | " | |
| " | 1242 | शास्तृस्तवः | | अ | |
| " | 1243 | शनिस्तुतिः | | " | |
| " | 1244 | हनुमत्पञ्चकम् | | " | जीर्णम् |
| " | 1245 | दक्षिणामूर्तिस्तोत्रं | शङ्कराचार्यः | पू | |
| " | 1246 | कनकधारास्तुतिः | " | " | |
| " | 1247 | सरस्वत्यष्टकम् | | " | |
| " | 1248 | देवीस्तोत्रम् | | अ | |
| " | 1249 | देवीकवचम् | | पू | |
| " | 1250 | गारुडकवचम् | | " | |
| " | 1251 | श्रीरामकवचम् | | अ | |
| 385 | 1252 | विष्णुपादादिकेशान्तस्तोत्रव्याख्यानं | पूर्णसरस्वतिः | " | |
| " | 1253 | कादम्बरीकथासंग्रहः | | " | |
| 118 | 1254 | वैशाखमाहात्म्यं | व्यासः | " | |
| 113 | 1255 | " | | " | |
| 374 | 1256 | नारायणीयम् स्तोत्रम् | नारायणभट्टः | " | |
| 110 | 1257 | " | " | " | |
| 107 | 1258 | " | " | " | |
| 114 | 1259 | देवीमाहात्म्यम् | व्यासः | " | |
| 111 | 1260 | नारायणीयम् | नारायणभट्टः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 410 | 1261 | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | पू | |
| 119 | 1262 | भगवद्गीता | व्यासः | " | |
| " | 1263 | विष्णुसहस्रनामकं | | अ | |
| " | 1264 | तदेव चतुर्थेन्तम | | पू | |
| 419 | 1265 | मुकुन्दशतकम | | अ | |
| " | 1266 | शिल्पशास्त्रविषयः | | " | |
| 413 | 1267 | ललितासहस्रनामकम | व्यासः | " | |
| " | 1268 | मोक्षोपायः | | पू | |
| " | 1269 | श्रीरामकवचम | | " | |
| " | 1270 | मन्त्रशास्त्रविषयः | | अ | |
| " | 1271 | रामचन्द्राष्टकम | | पू | |
| " | 1272 | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | अ | |
| " | 1273 | त्रिपुरसुन्दरीस्तवराजः | | " | |
| 498 | 1274 | तारतम्यस्तोत्रम | | पू | |
| " | 1275 | भागवते षष्ठस्कन्धः | व्यासः | अ | |
| " | 1276 | वायुस्तुतिः | | पू | |
| " | 1277 | नारायणकवचम | | " | |
| 397 | 1278 | हरिस्तुतिः | आनन्दतीर्थः | अ | |
| " | 1279 | ब्रह्मसूत्राणुभाष्यं | " | पू | |
| " | 1280 | नारायणकवचम | व्यासः | " | |
| " | 1281 | लक्ष्मीनामाष्टोत्तरशतकम | | " | |
| " | 1282 | देवीमाहात्म्यम | | अ | |

| L.N. | S.N. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 397 | 1283 | रामायणसंग्रहः | | पू | |
| " | 1284 | रुक्माङ्गदचरितं | | अ | |
| " | 1285 | शिवकवचम् | | पू | |
| " | 1286 | मध्वाष्टकम् | वादिराजः | " | |
| " | 1287 | द्वादशस्तोत्रम् (हरिस्तुतिः) | आनन्दतीर्थः | अ | |
| 391 | 1288 | नारायणीयम् | नारायणभट्टः | पू | |
| 370 | 1289 | " | " | " | |
| " | 1290 | ब्रह्मसूत्राणुभाष्यं | आनन्दतीर्थः | " | |
| 367 | 1291 | नारायणीयव्याख्या | देशमङ्गलपारशवः | अ | |
| 369 | 1292 | स्कान्दे सह्याद्रिखण्डः | | " | |
| " | 1293 | कार्तिकमाहात्म्यं | | पू | |
| " | 1294 | वेङ्कटगिरिमाहात्म्यं | व्यासः | " | |
| " | 1295 | गजेन्द्रमोक्षस्तोत्रम् | " | " | |
| " | 1296 | जानकीस्तवराजः | | " | |
| " | 1297 | श्रीरामस्तवराजः | नारदमुनिः | " | |
| " | 1298 | मानसोल्लासः | | अ | |
| " | 1299 | पूर्णत्रयीशशतकं | माटमहाराजः | पू | |
| 382 | 1300 | अम्बरीषचरितम् | व्यासः | " | |
| " | 1301 | रुक्माङ्गदचरितम् | | " | |
| " | 1302 | गजेन्द्रमोक्षणम् | व्यासः | " | |
| " | 1303 | नारायणकवचम् | " | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 96 | 13.4 | देवीमाहात्म्यव्याख्या-नम | श्रीमान् कृष्ण भगवान् | अ | |
| 116 | 13.5 | विष्णुपादादिकेशान्त-स्तोत्रव्याख्या | पूर्णसरस्वती | " | |
| 418 | 13.6 | विष्णुसहस्रनामार्थवर्णनम् | विबुधवर्यतीः | पू | |
| " | 13.7 | सहस्रनामव्याख्यानं | " | " | |
| 425 | 13.8 | विष्णुसहस्रनामानि | | " | |
| " | 13.9 | तद्व्याख्यानम् | | अ | |
| 403 | 1310 | देवी माहात्म्यं | | " | |
| 1078 | 1311 | " | | " | |
| 372 | 1312 | माघमासमाहात्म्यं | व्यासः | पू | |
| " | 1313 | वैशाखमाहात्म्यं | " | अ | |
| " | 1314 | शौषधर्मः | | " | |
| " | 1315 | सालग्रामलक्षणादिनानाविषयः | | पू | |
| 379 | 1316 | देवीमाहात्म्यम् | | अ | |
| " | 1317 | " | | " | |
| 414 | 1318 | प्रदोषमाहात्म्यं | व्यासः | पू | |
| 401 | 1319 | देवीमानसपूजा | शङ्कराचार्यः | " | |
| " | 1320 | श्रीकृष्णस्तुतिः | भीष्माचार्यः | " | |
| " | 1321 | भगवद्गीता | व्यासः | अ | |
| " | 1322 | श्रीकृष्णाष्टोत्तरशत-नामानि | | पू | |
| " | 1323 | शिवपादादिकेश-स्तुतिः | भक्तशिरोमणिः | " | |
| " | 1324 | षडाधारतत्त्वम् | | " | |

| L.No | S.No | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 401 | 1325 | देवीस्तोत्रपूजादिविषयः | | पू |
| 402 | 1326 | सूर्यशतकव्याख्या | | अ |
| 381 | 1327 | शिवकेशादिपादस्तुतिः | | पू |
| " | 1328 | देवीसप्ततिः | नारायणभट्टः | " |
| 375 | 1329 | प्रयागमाहात्म्यम् | व्यासः | अ |
| " | 1330 | कृष्णामृतमहार्णवटीका | | " |
| " | 1331 | युधिष्ठिरविजयं | | " |
| " | 1332 | वायुस्तुतिटीका | | " |
| 472 | 1333 | विष्णुसहस्रनामावलिः | | पू |
| " | 1334 | अनन्तगङ्गादिपूजाकल्पः | व्यासः | अ |
| 386 | 1335 | मुकुन्दशतकव्याख्यानम् | | पू |
| " | 1336 | अमरकोशव्याख्या | | अ |
| 426 | 1337 | पूर्णत्रयीशस्तुतिः | | " |
| 387 | 1338 | अष्टाक्षरदीपिका | | " |
| 438 | 1339 | विष्णुसहस्रनामावलिः | | पू |
| 411 | 1340 | सौन्दर्यलहरी | शङ्करः | " |
| " | 1341 | शनिस्तोत्रम् | | " |
| 415 | 1342 | बिल्वाद्रिमाहात्म्यं | | अ |
| 780 | 1343 | चित्रप्रश्नकम् | | पू |
| 429 | 1344 | गुरुगीता | | " |
| " | 1345 | दक्षिणामूर्तिपञ्चरः | व्यासः | " |
| " | 1346 | श्रीकृष्णकर्णामृतम् | लीलाशुकः | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 400 | 1347 | सोमवारव्रतमाहात्म्यं | व्यासः | पू | |
| 421 | 1348 | विष्णुसहस्रनामानि | | " | |
| " | 1349 | विष्णुभुजङ्गस्तुतिः | शङ्करः | " | |
| " | 1350 | शिवभुजङ्गस्तुतिः | " | " | |
| 409 | 1351 | व्याघ्रालयाधीश्वर-शतकम् | | " | |
| 406 | 1352 | कृष्णकर्णामृतम् | | अ | |
| 396 | 1353 | स्तोत्रमञ्जरी | वादिराजयतिः | पू | |
| 379 | 1354 | दशावतारजयन्तीदिनादिनद्वविषयसमुदायः | | " | |
| 112 | 1355 | मुकुन्दशतकम् | | अ | |
| 384 | 1356 | पार्वतीविवाहप्रकरणम् (सर्गबन्धः) | (पाक्षगतम्) | पू | |
| " | 1357 | ऋषभक्षेत्रमाहात्म्यं | | " | |
| " | 1358 | विवेकसिद्धिः | a didactic (short) poem in Anyas. anon. | " | See: मुनि मनोरौमलये ओ दृष्टोति आधाढाति मूर्वः। cf. एवं मनुष्यो नेम...स्मरी ललना स्मितालिनेऽ लिङ्गिङ्गेति। आनुदिन-मोदो पठतः परिहृद्-सहमाजनिङ्गुते॥ |
| 405 | 1359 | रुद्रोद्गीतं (शिवस्तोत्रं) | | " | |
| 398 | 1360 | विंशतिपञ्चाशिका-स्तोत्रम् | | " | |
| " | 1361 | रुक्माङ्गदचरितं प्रबन्धं | | " | |
| " | 1362 | रुग्मिणीस्वयंवरम् प्रबन्धं | | " | |
| " | 1363 | अम्बरीषचरितं प्रबन्धं | | " | |
| 1083 | 1364 | पार्वतीस्वयंवरम् | पाक्षम् व्यासः | " | |
| " | 1365 | ऋषभक्षेत्रमाहात्म्यं | " | " | |
| " | 1366 | विवेकसिद्धिः | anon. identical with 389 c. | " | do |
| " | 1367 (a) | मन्त्रशास्त्रविषयः | — Semi vernacular | " | Sex + Pornographic mantras |
| | | e.f. (b) विष्णवेद. semi vernacular | (c) मृगार्विद्द — ie विष्णवैसनेर Mysor. | | |
| 395 | 1368 | जयन्तीव्रतमाहात्म्यं | व्यासः | " | |

(x) In the midst of this Visvavidya there is a passage on good and bad omens for journey in Malayalam and the passage ends thus: इति [illegible] निरूपितं लक्षणं इते प्रयाणः ॥ पटक ॥

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 407 | 1369 | शिवस्तुतिः | | पू |
| 384 | 1370 | सूर्यशतकव्याख्यानं | | " |
| 1007 | 1371 | शिवस्तुतिव्याख्या | | अ |
| " | 1372 | जैषधीयचरितम् | | " |
| 850 | 1373 | हरिनामकीर्तनं | | पू |
| 408 | 1374 | विष्णुसहस्रनामावलिः | | अ |
| 424 | 1375 | ललितासहस्रनामावलिः | | " |
| 417 | 1376 | स्तोत्रमञ्जरी | | " |
| " | 1377 | श्रीरामहृदयम् | | " |
| " | 1378 | श्रीरामकवचम् | | " |
| " | 1379 | श्रीकृष्णकवचम् | | " |
| " | 1380 | श्रीरामस्तुतिः | | " |
| " | 1381 | मुकुन्दमालास्तुतिः | | " |
| 421 | 1382 | परमेश्वरस्तुतिः | | अ |
| " | 1383 | श्रीकृष्णस्तुतिः | | " |
| 123 | 1384 | भगवत्स्तुतिः | | " |
| 459 | 1385 | गोविन्दाष्टकम् | | पू |
| " | 1386 | इन्द्राक्षीस्तोत्रम् | | " |
| " | 1387 | नृसिंहकवचम् | व्यासः | " |
| 789 | 1388 | योगरत्नसमुच्चयः | | अ |
| 790 | 1389 | " | " | " |
| | | वैद्यग्रन्थाः | | |
| 940 | 1390 | अष्टाङ्गसंग्रहः | वाग्भटाचार्यः | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| ✓ | 947 1391 | अष्टाङ्गसंग्रहः | वाग्भटाचार्यः | अ | |
| ✓ | 714 1392 | तद्व्याख्यानम् | इन्दुः | ,, | |
| ✓ | 718 1393 | ,, | ,, | ,, | |
| ✓ | 719 1394 | अष्टाङ्गहृदयम् | वाग्भटः | ,, | |
| ✓ | 748 1395 | ,, | ,, | ,, | |
| ✓ | 713 1396 | तद्व्याख्या | | ,, | |
| ✓ | 735 1397 | अष्टाङ्गहृदयम् | वाग्भटः | पू | |
| | 750 1398 | ज्वरादिचिकित्सा-विषयः | | अ | |
| ✓ | 974 1399 | अष्टाङ्गहृदयव्याख्या हृदयबोधिका | | ,, | |
| ✓ | 720 1400 | अष्टाङ्गहृदयव्याख्या | | ,, | |
| ✓ | 716 1401 | ,, | | ,, | |
| ✓ | 948 1402 | ,, | | ,, | |
| | 733 1403 | ज्वरादिचिकित्साग्रन्थः | | ,, | |
| ✓ | 943 1404 | अष्टाङ्गहृदयटीका | अरुणदत्तः | ,, | |
| ✓ | 716 1405 | ,, | ,, | ,, | |
| ✓ | 717 1406 | ,, | ,, | ,, | |
| ✓ | 721 1407 | अष्टाङ्गहृदयव्याख्या हृदयबोधिका | श्रीदासपण्डितः | ,, | |
| ✓ | 949 1408 | अष्टाङ्गसंहृदयम् | वाग्भटः | ,, | |
| | 745 1409 | अष्टाङ्गसंग्रहसंहिता | ,, | ,, | |
| ✓ | 746 1410 | ,, | ,, | ,, | |
| | ~~742 1411~~ | ~~अष्टाङ्गहृदयव्याख्या~~ | Omit | ,, | केरलभाषा |
| | 945 1412 | वैद्यमालिका | | ,, | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | निर्देशाः |
|---|---|---|---|---|
| 945 | 1413 | रसमञ्जरी | शालिनाथः वैद्य-अनाथसूनुः | |
| " | 1414 | चिकित्साविषयः | | " |
| 734 | 1415 | अष्टाङ्गसंग्रहः | वाग्भटः | " |
| 946 | 1416 | चिकित्सासारसंग्रहः | | " |
| 944 | 1417 | अष्टाङ्गहृदयव्याख्या | अरुणदत्तः | " |
| 764 | 1418 | वैद्यविषयः | | " |
| 741 | 1419 | रसमञ्जरी | शालिनाथः | " |
| " | 1420 | रसरत्नाकरः | पार्वतीपुत्रश्री नित्यनाथसिद्धः | " |
| " | 1421 | मर्मविभागचिकित्सादि | | " |
| " | 1422 | अष्टाङ्गहृदयम् | | " |
| 722 | 1423 | रसमञ्जरी | शालिनाथः | " |
| " | 1424 | रसरत्नाकरः | नित्यनाथसिद्धः | " |
| " | 1425 | मर्मविभागचिकित्सा-विषयः | | पू |
| 737 | 1426 | रसमञ्जरीव्याख्या | पू शालिनाथः | " |
| 739 | 1427 | शार्ङ्गधरसंहिता | शार्ङ्गधरः | अ |
| 724 | 1428 | अष्टाङ्गहृदयम | वाग्भटः | " |
| 768 | 1429 | अष्टाङ्गहृदयटिप्पणी | | " |
| 751 | 1430 | वैद्यनिखण्डुः | धन्वन्तरिः | पू |
| " | 1431 | मदनादिनिखण्डुः | चन्द्रनन्दनः | " |
| " | 1432 | अभिधानमञ्जरी | | अ |
| 732 | 1433 | चिकित्साविषयः | | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| ✓ 761 | 1434 | अष्टाङ्गहृदयसंहिता | | अ | कर्णाटकाक्षर-लिखिता |
| 759 | 1435 | वैद्यविषयः | | ,, | |
| 738 | 1436 | सहस्रयोगः | | पू | |
| ✓ 1001 | 1437 | अश्वादिचिकित्सा | | अ | |
| 726 | 1438 | औषधानां गुणपाठ-विषयः | | ,, | |
| 758 | 1439 | जलादिगुणपाठविषयः | | ,, | |
| 727 | 1440 | गुणपाठः | | ,, | |
| 736 | 1441 | ज्यौत्स्निका | नारायणः | ,, | |
| 977 | 1442 | ,, | ,, | ,, | |
| 744 | 1443 | योगसारसंग्रहः | वासुदेवकविः | ,, | |
| ✓ 1028 | 1444 | अश्वचिकित्सादिविषयः | | ,, | |
| ✓ 747 | 1445 | अष्टाङ्गहृदयसंहिता | वाग्भटः | ,, | |
| 740 | 1446 | रसरत्नाकरः | नित्यनाथः | ,, | |
| 769 | 1447 | वैद्यविषयः | | ,, | |
| 765 | 1448 | लक्षणामृतम् | सुन्दरकविः | ,, | |
| 726 | 1449 | वैद्यविषयः | | ,, | |
| ✓ 758 | 1450 | अश्वचिकित्साविषयः | | पू | |
| 1002 | 1451 | वैद्यविषयः | | अ | |
| 749 | 1452 | वैद्यविषयः चिकित्सा-प्रकरणम् | | ,, | |
| 767 | 1453 | चिकित्सादिविषयः | | ,, | |
| 127 | 1454 | योगसंग्रहः | | ,, | |
| 130 | 1455 | चिचिकित्साविषयः | | ,, | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 766 | 1456 | विषवैद्यम् | | पू | |
| 129 | 1457 | चिकित्साविषयः | | अ | |
| 763 | 1458 | " | | " | |
| 498 | 1459 | वीरसिंहावलोकः | वीरसिंहदैवः | पू | |
| 743 | 1460 | चिकित्सासारसंग्रहः | | अ | |
| | | ज्योतिश्शास्त्र ग्रन्थाः | | | |
| 1073 | 1461 | आर्यभटीयव्याख्या | परमेश्वरः | पू | भटदीपिका-ख्या |
| " | 1462 | तन्त्रसंग्रहव्याख्या | | अ | |
| " | 1463 | प्रकीर्णसंग्रहः | | " | |
| " | 1464 | न्यायरत्नम् | | " | |
| " | 1465 | उपरागक्रियाक्रमः | | " | |
| 1056 | 1466 | बार्हस्पत्यमुहूर्तचिन्तामणिः | | पू | |
| " | 1467 | वासिष्ठसंहिता | | अ | |
| " | 1468 | वराहमिहिरसंहिता | वराहमिहिरः | " | |
| " | 1469 | होराविवरणम् | रुद्रः | " | |
| 1066 | 1470 | मुहूर्तदर्शनभाषा | मूलं) विद्याधरपण्डितः | पू | |
| " | 1471 | पञ्चबोधक्रियाक्रमः | | अ | |
| " | 1472 | करणपद्धतिभाषा समूला | | पू | |
| 1048 | 1473 | मुहूर्तदर्शनव्याख्या | विद्याधरसुतो विष्णुः | अ | |
| 1076 | 1474 | स्फुटनिर्णयविवृतिः | | पू | |
| " | 1475 | करणोत्तमं विवरणसहितम् | | " | |
| " | 1476 | भास्करीयस्यभाजाध्यायव्याख्यानं | | अ | |
| | 1477 | रुद्रलमाला सव्याख्या | मू- शङ्करवर्मा | | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 1076 | 1478 | सद्रत्नमाला सन्यास्या | मू॰ शङ्करवर्मा | अ |
| 1069 | 1479 | प्रश्नमार्गभाषाव्याख्यानं | | पू |
| " | 1480 | विषुफलम् | | " |
| 1049 | 1481 | बृहज्जातकविवृतिः | भट्टोत्पलः | " |
| 1052 | 1482 | बृहज्जातकविवरणम् | रुद्रः | " |
| 1071 | 1483 | कालनिर्णयः | माधवाचार्यः | अ |
| 774 | 1484 | मुहूर्तपदवीव्याख्यानं | परमेश्वरभूसुरः पुरदहनपुरस्थः | पू |
| 1057 | 1485 | वाराहसंहिता | वराहमिहिरः | अ |
| " | 1486 | ज्यौतिषविषयः | | " |
| 782 | 1487 | वाराहसंहिता | वराहमिहिरः | " |
| 1063 | 1488 | कालप्रकाशिका | नृसिंहसूरिः | पू |
| 1054 | 1489 | आर्यभटीयं भाषासहितं | परमेश्वरशिष्यः | " |
| " | 1490 | वैण्वारोहभाषाव्याख्यानं | (नया) अच्युतः (मू) माधवः | अ |
| 1067 | 1491 | जातकादेशः | | पू |
| 1052 | 1492 | मुहूर्तदर्शनम् | विद्यामाधवपण्डितः | " |
| 1053 | 1493 | मुहूर्तपदवी | | " |
| " | 1494 | होराशास्त्रम् | | " |
| " | 1495 | आचारसंग्रहः | परमेश्वरः | " |
| " | 1496 | " | " | " |
| " | 1497 | ज्यौतिषदीपमाला | | अ |
| 1075 | 1498 | जातकपद्धतिव्याख्या | वटश्रेणीभूसुरः | " |
| " | 1499 | पञ्चबोधपद्धतिभाषा | | " |

| L.M.S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 1078 | 1500 | उपरागविंशतिभाषा | | पू | |
| 1046 | 1501 | मुहूर्तपदवीव्याख्या | परमेश्वरभूसुरः | " | |
| 773 | 1502 | नारायणीयव्याख्या- नं | | " | |
| " | 1503 | बृहज्जातकविवरणं | रुद्रः | अ | |
| 781 | 1504 | लीलावती सव्याख्या | मू० भास्करः | पू | |
| 1051 | 1505 | गणितविषयः | | " | |
| 1060 | 1506 | ज्योतिषविषयः | | " | |
| 1072 | 1507 | होराशास्त्रम् | वराहमिहिरः | अ | |
| 1065 | 1508 | लीलावती सव्याख्या | | " | |
| 778 | 1509 | लीलावतीव्याख्या | नारायणः | पू | |
| 787 | 1510 | मुहूर्तपदवीव्याख्या | शङ्करः | " | |
| 785 | 1511 | होराविवरणम् | रुद्रः | अ | |
| +776 | 1512 | होराव्याख्या | | " | केरलभाषा |
| 788 | 1513 | तन्त्रसंग्रहव्याख्यानं | | " | |
| 775 | 1514 | प्रश्नमार्गः होराशास्त्रञ्च | | " | |
| +783 | 1515 | होराव्याख्या | | पू | केरलभाषा |
| 1068 | 1516 | प्रश्नरीतिः | | अ | |
| " | 1517 | जातकपद्धतिव्याख्या | | पू | |
| 777 | 1518 | युक्तिभाषा | | " | गणितविषयः |
| 1063 | 1519 | कालदीपकम् | | " | |
| 1047 | 1520 | करणोत्तमम् | अच्युतः | " | |
| " | 1521 | विष्णुपद्धतिः | | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 1055 | 1522 | कालदीपकव्याख्या | परमेश्वरप्रियशिष्यः | पू | |
| 1061 | 1523 | मुहूर्तपदवीव्याख्यानं | शङ्करकविः | ,, | |
| 1074 | 1524 | कालदीपकं | | ,, | |
| ,, | 1525 | मुहूर्तपदवी | | ,, | |
| ,, | 1526 | पञ्चाङ्गफलम् | | ,, | |
| 1042 | 1527 | होराशास्त्रव्याख्या | | अ | |
| 94 | 1528 | मुहूर्तपदवीव्याख्या | | ,, | केरलभाषा |
| 789 | 1529 | होराशास्त्रव्याख्या | | ,, | |
| ,, | 1530 | प्रश्नमार्गः | | ,, | |
| 794 | 1531 | मुहूर्तशास्त्रभाषा केरली भद्रदीपश्च | | पू | |
| 790 | 1532 | वाल्मीकिप्रश्नः | | ,, | |
| 823 | 1533 | बृहज्जातकव्याख्या | नित्यप्रकाशकभट्टारकः | अ | |
| 8 | ,, | मुहूर्तविधानम् | बृहस्पतिः | ,, | |
| 71 | 1534 | वाल्मीकिप्रश्नः | | ,, | |
| 821 | 1535 | मुहूर्तपदवीभाषा | | ,, | |
| ,, | 1536 | रामायणकथा | | ,, | |
| 821 | 1536 | मुहूर्तरत्नम् | | पू | |
| 801 | 1537 | तन्त्रसंग्रहः | | अ | |
| ,, | 1538 | अमरकोशः | | ,, | |
| 818 | 1539 | ,, | | ,, | |
| ,, | 1540 | देवीस्तोत्रव्याख्या | | ,, | केरलभाषा |
| ,, | 1541 | श्रीकृष्णविलासः | | ,, | |

| L.N. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 799 | 1542 | कालदीपिका | | अ |
| 1062 | 1543 | ज्योतिश्शास्त्रविषयः | | पू |
| 802 | 1544 | ज्योतिषविषयः | | अ |
| 808 | 1545 | जन्मपत्रिका | | पू |
| 806 | 1546 | जातकविषयः | | " |
| 814 | 1547 | जातकपत्रिका | | " |
| 819 | 1548 | " | | " |
| 812 | 1549 | मृतजातकविषयः | | " |
| 817 | 1550 | " | | " |
| 1093 | 1551 | जातकपत्रिका | | " |
| 90 | 1552 | " | | अ |
| 785 | 1553 | काल+दीपिका | | " |
| " | 1554 | सौन्दर्यलहरी | | पू |
| 800 | 1555 | कालदीपिका | | " |
| " | 1556 | मुहूर्तपदवीव्याख्यानं | शङ्करकविः | " |
| " | 1557 | ग्रहणक्रियाविषयः | | अ |
| " | " | गणितविषयः | | " |
| 791 | 1558 | कालदीपकम् | | पू |
| " | 1559 | मुहूर्तपदवी | | " |
| " | 1560 | पाण्डवसभाप्रवेश-कथा | | " |
| 779 | 1561 | होराशास्त्रम् | | अ |
| " | 1562 | पञ्चतन्त्रम् | | " |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 796 | 1563 | कालदीपकम् | | पू | |
| 813 | 1564 | होरान्यायख्या प्रकाशिका | | अ | |
| " | 1565 | कृष्णीयं ज्यौतिष-विषयं | | " | |
| " | 1566 | होराशास्त्रम् | | " | |
| " | 1567 | ज्यौतिषविषयः | | " | |
| " | 1568 | वैद्यविषयः | | " | |
| 822 | 1569 | होराशास्त्रम् | वराहमिहिरः | पू | |
| " | 1570 | गणनमुहूर्तादिवि-षयग्रन्थः | | अ | |
| " | 1571 | कुजादिपरिवर्तन-वाक्यानि | | " | |
| 824 | 1572 | पञ्चाङ्ग-विषयग्र-न्थाः | | " | |
| 786 | 1573 | पञ्चाङ्गग्रन्थः | | " | कर्णाटकाक्षरः |
| 806 | 1574 | ज्यौतिषविषयः | | " | |
| 784 | 1575 | पञ्चाङ्गग्रन्थः | | पू | |
| 89 | 1576 | विष्णुस्तोत्रादिवि-षयकग्रन्थः | | अ | |
| 820 | 1577 | ग्रहणक्रियादिविषय ग्रन्थः | | " | |
| 798 | 1578 | कालदीपकम् | | पू | |
| 795 | 1579 | " | | अ | |
| " | 1580 | होराशास्त्रम् | | " | |
| 825 | 1581 | मुहूर्तादिविषयकग्र-न्थः | | " | |
| 807 | 1582 | कालदीपकम् | शङ्करः | " | |
| " | 1583 | शिवरात्रिमाहात्म्यं | | " | |
| 803 | 1584 | गणितविषयः | | " | |
| ✓ | " | 1585 अमरसिंहान्यनिघण्टुः | अमरसिंहः | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 815 | 1586 | गणितविषयकग्रन्थः | | अ | |
| 93 | 1587 | कालदीपकम् | शङ्करकविः | पू | |
| 793 | 1588 | ,, | ,, | ,, | |
| 792 | 1589 | ,, | ,, | अ | |
| 809 | 1590 | ज्योतिश्शास्त्रविषयः | | पू | |
| 804 | 1591 | जातकादेशव्याख्या-पद्धतिः सव्याख्या | षट्श्रेणीदेवः | ,, | (व्या) केरलभाषा |
| ,, | 1592 | अमरसिंहव्याख्यानं | | अ | |
| ,, | 1593 | वैद्यविषयः | | ,, | |
| 479 | 1594 | विष्णुस्तोत्रादिनानाविषयम् | | पू | |
| ,, | 1595 | वायुस्तुतिः | त्रिविक्रमपण्डिताचार्यः | ,, | |
| 797 | 1596 | कालदीपिका | शङ्करः | अ | |
| 986 | 1597 | गणनादिविषयग्रन्थः | | ,, | |
| 1082 | 1598 | प्रपञ्चसारः | शङ्कराचार्यः | पू | |
| 1102 | 1599 | तद्व्याख्या | नारायणकविः | अ | |
| 1103 | 1600 | सैव उत्तरभागः | ,, | ,, | |
| 1101 | 1601 | प्रपञ्चसारविवरणम् | विज्ञानात्मभगवान् | ,, | |
| 1104 | 1602 | प्रयोगसारः | गोविन्दः | ,, | |
| 121 | 1603 | शारदातिलकः | लक्ष्मणदेशिकेन्द्रः | ,, | |
| 431 | 1604 | ,, | ,, | ,, | |
| 120 | 1605 | नारायणीयम् | नारायणः | ,, | |
| 436 | 1606 | ,, | ,, | ,, | |
| 433 | 1607 | तन्त्रसमुच्चयव्याख्या | शङ्करकविः | पू | |
| ,, | 1608 | शेषसमुच्चयव्याख्या | ,, | ,, | विमर्शिनी |
| 437 | 1609 | विष्णुसंहिता | | अ | |
| ,, | 1610 | पञ्चप्रश्नः(दुर्गातन्त्रः) | | पू | |
| 434 | 1611 | विष्णुपूजादिविषयक ग्रन्थः | | ,, | |

| L.N.S.M. ग्रन्थसङ्ख्या | | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 1124 | 1612 | मन्त्रशास्त्रविषयः | | पू |
| 387 | 1613 | अष्टाक्षरदीपिका | शङ्करकविः | अ |
| 1035 | 1614 | तन्त्रसमुच्चयव्याख्यानं | ,, | ,, |
| 1122 | 1615 | कुलार्णवग्रन्थः | | ,, |
| 1123 | 1616 | यन्त्रसारग्रन्थः | | ,, |
| ,, | 1617 | प्रयोगसारः | | ,, |
| 465 | 1618 | सर्वतोभद्रयन्तलेखना-दिप्रकारः | | पू |
| ,, | 1619 | वार्तालीतन्त्रघटकलो-पामुद्रासंहिता | | अ |
| 1125 | 1620 | मन्त्रशास्त्रविषयः | | ,, |
| ,, | 1621 | चिकित्सायोगग्रन्थः | | ,, |
| 1130 | 1622 | यन्त्रसारग्रन्थः | | ,, |
| 464 | 1623 | मन्त्रशास्त्रविषयः(सुदर्शनादिनानामन्त्रप्रतिपादकग्रन्थः) | | पू |
| 422 | 1624 | वृषोत्सर्गपद्धतिः | नारायणभट्टः | ,, |
| 484 | 1625 | सहस्रनामावल्यादिना-नाप्रकरणग्रन्थः | | अ |
| 465 | 1626 | षोडशनित्यातन्त्रम | | ,, |
| 437 | 1627 | मन्त्रशास्त्रग्रन्थः | | ,, |
| 471 | 1628 | योगाभ्यासक्रमः सञ्चाख्यः | (व्या) केरलभाषा | ,, |
| 481 | 1629 | षोडशकर्मविधिः | | ,, |
| 448 | 1630 | शिवमन्त्रकल्पः | | पू |
| 451 | 1631 | मन्त्रवादभाषाग्रन्थः | | अ |
| 470 | 1632 | ,, | | पू |
| 473 | 1633 | ,, | | अ |
| 460 | 1634 | मन्त्रशास्त्रविषयः | | ,, |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 453 | 1635 | वृषोत्सर्गप्रयोगादिग्रन्थः | पू | |
| 466 | 1636 | आत्मार्पणस्तुत्यादिग्रन्थः | ,, | |
| 462 | 1637 | भगवत्पूजादिविषयकग्रन्थः | ,, | |
| 467 | 1638 | ,, | ,, | |
| 1005 | 1639 | योगाभ्यासभाषाग्रन्थः | अ | |
| 449 | 1640 | अग्निष्टोमयागविधिः (सोमपानप्रयोगः) | ,, | |
| 446 | 1641 | विष्णुस्तोत्रम् | पू | |
| ,, | 1642 | श्रीचक्रन्यासप्रकारः | ,, | |
| 1139 | 1643 | मन्त्रशास्त्रविषयग्रन्थः | ,, | |
| 440 | 1644 | मन्त्रवादं भाषाग्रन्थः | ,, | |
| 125 | 1645 | मन्त्रवादविषयकग्रन्थः | अ | |
| 1128 | 1646 | ,, | पू | |
| 1127 | 1647 | ,, | ,, | |
| 1140 | 1648 | मन्त्रशास्त्रग्रन्थः | ,, | |
| 435 | 1649 | गणपत्यादिपूजाकल्पग्रन्थः | अ | |
| 442 | 1650 | मन्त्रवादभाषाग्रन्थः | ,, | |
| 1125 | 1651 | मन्त्रशास्त्रविषयग्रन्थः | पू | |
| 1129 | 1652 | मन्त्रशास्त्रादिविषयः | ,, | |
| 1134 | 1653 | ,, | ,, | |
| 1126 | 1654 | ,, | ,, | |
| 1131 | 1655 | ,, | ,, | |
| 1136 | 1656 | मन्त्रवादग्रन्थः | ,, | |
| 1137 | 1657 | ध्यानसमुच्चयः | अ | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 1132 | 1658 | मन्त्रवादविषयः | | पू | |
| 1138 | 1659 | मन्त्रशास्त्रग्रन्थः | | " | |
| 444 | 1660 | प्रायश्चित्तादिग्रन्थः | | " | |
| 464 | 1661 | मन्त्रवादविषयः | | " | |
| 463 | 1662 | मन्त्रवादभाषाग्रन्थः | | " | |
| 1141 | 1663 | " | | " | |

All Mal. — कथाकळि ग्रन्थाः

इतस्सर्वं कैरल्यां भाषायाम्

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 839 | 1664 | कृमीरवधम् | कोट्टयंराजः | " | मुद्रितम् |
| " | 1665 | बकवधम् | " | " | " |
| 838 | 1666 | मुचुकुन्दमोक्षम् | किलिमानूरराजः | " | अमुद्रितम् |
| 837 | 1667 | सुन्दरीस्वयंवरम् | | " | " |
| 858 | 1668 | नलचरितम् | उण्णायिवारियर् | अ | " |
| 841 | 1669 | दक्षयागः | इरियिम्मन्तम्पि | " | मुद्रितम् |
| " | 1670 | उत्तरास्वयंवरम् | " | " | " |
| " | 1671 | कीचकवधः | " | " | " |
| " | 1672 | बाणयुद्धम् | " | अ | " |
| " | 1673 | कार्तवीर्यार्जुनविजयः | पुतियिकल्तम्पान् | पू | " |
| " | 1674 | सन्तानगोपालम् | | " | अमुद्रितं |
| " | 1675 | लवणासुरवधः | अमृतशास्त्री | पू | मुद्रितं |
| ~~834~~ | ~~1676~~ | ~~कंसवधः~~ | ~~किलिमानूर्कोयित-~~ ~~म्पुरान्~~ | | |
| " | 1676 | रावणोद्भवम् | कल्लेकुलङ्गरे पिषारकः | " | " |
| " | 1677 | सुभद्राहरणम् | मन्नेटत्तु नम्पूरिप्पाट् | " | " |
| " | 1678 | कृमीरवधम् | कोट्टयत्तु तम्पुरान् | पू | अमुद्रितं |

| L.No. S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 841 1679 | निवातकवचवधम् | कौडूयं राजः | अ | अमुद्रितं |
| 833 1680 | भीष्मविजयः | गोविन्दः | पू | » |
| » 1681 | शाल्वजधः | | » | उ » |
| » 1682 | पूतनामोक्षः | वच्चियुवमहाराजः अश्वेन्यृक्षजः | » | » |
| » 1683 | पारिजातहरणं | | » | » |
| » 1684 | देवयानीचरितम् | | » | » |
| » 1685 | सुन्दरीस्वयंवरम् | | » | » |
| 840 1686 | रुक्मिणीस्वयंवरम् | वच्चिभूपः अश्वेन्यृक्षजः | अ | मुद्रितं |
| » 1687 | वेणुदारिवधः | | पू | अमुद्रितं |
| » 1688 | कल्याणसौगन्धिकं | | » | » |
| » 1689 | ध्रुवचरितम् | | अ | » |
| » 1690 | अमृतमथनम् | | पू | » |
| » 1691 | मुचुकुन्दमोक्षम् | | » | » |
| » 1692 | राजसूयम् | | अ | |
| » 1693 | शाकुन्तलम् | | » | |
| » 1694 | तारकासुरवधम् | | » | |
| » 1695 | लवणासुरवधः | अमृतशास्त्री | पू | मुद्रितं |
| 834 1696 | कंसवधः | किलिमानूरकोयित्तम्पुरान् | » | |
| » 1697 | सन्तानगोपालम् | | » | अमुद्रितं |
| » 1698 | निवातकवचवधम् | कौडूयं तम्पुरान् | | |
| » 1699 | सिंहध्वजचरितम् | वच्चीशः उत्तरफल्गुनीजः | » | |
| » 1700 | अम्बरीषचरितम् | अश्वेन्यृक्षजो वच्चीशः | » | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 845 | 1701 | नरकासुरवधम् | वल्लीशः कृतिकाजः | अ |
| " | 1702 | सुभद्राहरणम् | " | |
| " | 1703 | रावणोद्भवम् | | पू |
| " | 1704 | तोरणयुद्धम् | कोट्टारक्करतम्पुरान् | अ |
| 832 | 1705 | मुचुकुन्दमोक्षम् | " | |
| " | 1706 | रामायणम् | " | |
| " | 1707 | मधुकैटभवधम् | | पू |
| 831 | 1708 | रासक्रीडा | भक्तशिरोमणिः नारायणकविः | " |
| " | 1709 | रामानुकरणम् | " | |
| " | 1710 | सुभद्राहरणम् | कृतिकाजो वल्लीशः | " |
| " | 1711 | किरातम् | " | |
| 836 | 1712 | सुन्दरीस्वयंवरम् | " | |
| " | 1713 | अम्बरीषचरितम् | " | |
| 844 | 1714 | नलचरितम् | उण्णायिवारियर | " |
| " | 1715 | सन्तानगोपालम् | " | अमुद्रितम् |
| 830 | 1716 | गजेन्द्रमोक्षः | " | |
| " | 1717 | सन्तानगोपालम् | " | |
| " | 1718 | रावणपराजयः | " | |
| " | 1719 | जरासन्धपराजयः | " | |
| " | 1720 | नीलास्वयंवरम् | " | |
| " | 1721 | सुदक्षिणवधः | " | |
| 829 | 1722 | रुक्मिणीस्वयंवरम् | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 829 | 1723 | पारिजातहरणम् | | अपूर्ण |
| » | 1724 | भिन्नविन्दास्वयंवरम् | | » |
| » | 1725 | रैवतीस्वयंवरम् | | » |
| » | 1726 | भद्रादेवीस्वयंवरम् | | » |
| » | 1727 | नीलास्वयंवरम् | | » |
| » | 1728 | कालीस्वयंवरम् | | पू |
| » | 1729 | लक्ष्मणाहरणम् | | अ |
| » | 1730 | रुग्मिबन्धम् | | पू |
| » | 1731 | दूतवाक्यं प्रबन्धः | | » |
| » | 1732 | दुश्शासनवधप्रबन्धः | | » |
| » | 1733 | सुन्दोपसुन्दोपाख्यानप्रबन्धः | | » |
| » | 1734 | कृम्मीरवधम् | | » |
| » | 1735 | भीमसेनदिग्जयः | | x |
| » | 1736 | जरासन्धचरमपराजयः | | अ |
| » | 1737 | श्रीकृष्णावतारप्रबन्धः | | पू |
| » | 1738 | अष्टाक्षरमाहात्म्यं | | » |
| x | 1738 | सात्त्वतधार्य्यप्रबन्धः | | » |
| » | 1739 | रासक्रीडाप्रबन्धः | | » |
| 826 | 1741 | सीतास्वयंवरं प्रबन्धं | माटमहाराजः | » |
| » | 1742 | सुग्रीवाभिषेकः | | » |
| » | 1743 | नलचरितम् | माटभूपतिः | » |
| » | 1744 | सगरोपाख्यानम् | » | » |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषः |
|---|---|---|---|---|
| 826 | 1745 | निवातकवचवधम् | मातृगुप्तः | पू |
| » | 1746 | अजामिलचरितम् | | » |
| » | 1747 | भार्गवचरितम् | मातृभूपः | » |
| 828 | 1748 | मरुत्तविजयः | | » |
| » | 1749 | रामायणं प्रजल्पम् | | अ |
| » | 1750 | कादम्बरीकथासारः | अभिनन्दनः-जयन्त-भट्टसुतः | पू |
| 1104 | 1751 | किरातारुयप्रबन्धः | | » |
| » | 1752 | बकवधः | | » |
| » | 1753 | त्रिपुरदहनम् | | » |
| » | 1754 | दक्षयागः | | » |
| » | 1755 | बाणयुद्धम् | | » |
| » | 1756 | राजरत्नावलीयम् | | » |
| » | 1757 | » | | » |
| » | 1758 | चेल्लूरनाथोदयम् | | » |
| 849 | 1759 | पारिजातहरणम् | | » |
| » | 1760 | श्रीकृष्णचरितम् | | अ |
| 852 | 1761 | पतिन्नालुवृत्तं भारतकथा | | » |
| » | 1762 | हरिनामकीर्तनम् | | पू |
| 854 | 1763 | कल्याणसौगन्धिकम् कथकलि | | » |
| » | 1764 | सहस्रकवचवधम् | | अ |
| 853 | 1765 | तीरयुद्धम् कथा | | » |
| » | 1766 | कल्याणसौगन्धिकं प्रबन्धम् | | पू |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|---|
| 846 | 1767 | पतिनालुवृत्तं भारतम | कुञ्चन्नम्पयार् | पू | |
| 835 | 1768 | श्रीकृष्णचरितम | " | " | |
| 847 | 1769 | " | " | अ | |
| 62 | 1770 | किरातारुयप्रबन्धः | | " | |
| " | 1771 | तोरणयुद्धम | | " | |
| 855 | 1772 | ध्रुवचरितमकथा | | पू | |
| " | 1773 | श्रीकृष्णचरितम | | अ | |
| " | 1774 | श्रीरामचरितम | | " | |
| " | 1775 | चन्द्रिकास्वयंवरम | | पू | |
| 123 | 1776 | सुभद्राहरणम | | अ | |
| " | 1777 | खाण्डवदाहम | | " | |
| 843 | 1778 | रामायणं मणिप्रवालं | | " | |
| 851 | 1779 | राजरत्नावलीयम | | " | |
| 845 | 1780 | मन्त्रवादग्रन्थः | | " | |
| 1108 | 1781 | प्रबन्धसमुदायग्रन्थः | | पू | |
| 856 | 1782 | सन्तानगोपालचरितं (पानराग) | | " | |
| 857 | 1783 | रुग्मिणीस्वयंवरम प्रबन्धम | | अ | |
| 1540 | 1784 | चम्पूरामायणम | भोजकविः | " | जीर्णम |
| 863 | 1785 | अध्यात्मरामायणम | | " | |
| 862 | 1786 | महाभारतम | | " | |
| 859 | 1787 | भागवतं दशमस्कन्धमात्रम | व्यासः | " | |
| 866 | 1788 | अध्यात्मरामायणम | | " | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 25 | 1789 | भागवते दशमस्कन्धः | | अ |
| 847 | 1790 | भारतं भाषागानं | | ,, |
| 848 | 1791 | ब्रह्माण्डपुराणं भाषा-गानं | | ,, |
| 865 | 1792 | भागवतं दशमस्कन्धः (कृष्णगाथा) | | पू |
| 874 | 1793 | वाल्मीकिरामायणम् किलिप्पाट्ट् | | अ |
| 32 | 1794 | अध्यात्मरामायणं किलिप्पाट्ट् | | ,, |
| 1573 | 1795 | महाभारतं किलिप्पाट्ट् | | ,, |
| 861 | 1796 | वाल्मीकिरामायणं किलिप्पाट्ट् | | ,, |
| 888 | 1797 | ,, | | ,, |
| 870 | 1798 | देवीमाहात्म्यम् भाषा | | ,, |
| ,, | 1799 | अध्यात्मरामायणम् किलिप्पाट्ट् | | ,, |
| 901 | 1800 | ,, | | ,, |
| 984 | 1801 | ,, | | ,, |
| 879 | 1802 | भागवतं दशमस्कन्धः किलिप्पाट्ट् | | ,, |
| 872 | 1803 | अध्यात्मरामायणम् | | ,, |
| 1574 | 1804 | रामायणम् | | ,, |
| ,, | 1805 | अध्यात्मरामायणम् | | ,, |
| ,, | 1806 | महाभारतं भाषा | | ,, |
| 1572 | 1807 | भागवते दशमं | | ,, |
| 885 | 1808 | अध्यात्मरामायणं | | ,, |
| 892 | 1809 | रासक्रीडागानम् | | पू |
| 890 | 1810 | अध्यात्मरामायणम् | | अ |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषः |
|---|---|---|---|---|
| 848 | 1811 | चन्द्रोत्सवः(मणिप्रवालम्) | पू | |
| 883 | 1812 | रामायणं भाषा | अ | |
| " | 1813 | शिवरात्रिमाहात्म्यम् | पू | |
| 868 | 1814 | शीलवती पाटु | अ | |
| " | 1815 | पतिव्रतोपाख्यानं भरतकथा | " | |
| 23 | 1816 | भारतं(किलिप्पाटु) | " | जीर्णतमम् |
| 1573 | 1817 | महाभारतं " | " | |
| " | 1818 | भारतं द्रौणपर्वं भाषा | " | |
| 911 | 1819 | बाणयुद्धम् | " | |
| 86. | 1820 | प्रदोषमाहात्म्यं(गानं) | " | |
| 875 | 1821 | सुन्दरीस्वयंवरम् | पू | |
| " | 1822 | एकादशिमाहात्म्यम् | " | |
| 877 | 1823 | देवीमाहात्म्यम् (भाषा) | " | |
| 889 | 1824 | अध्यात्मरामायणं (भाषा) | अ | |
| 157. | 1825 | देवीमाहात्म्यम् (भाषा) | " | |
| " | 1826 | अध्यात्मरामायणम् | " | |
| 882 | 1827 | भगवन्नामकीर्तनम् (भाषा) | पू | |
| 17 | 1828 | भारतं भाषागानम् | अ | |
| 122 | 1829 | विक्रमादित्यकथा | " | |
| 893 | 1830 | भारतम् | " | |
| 894 | 1831 | तदेव (भाषा) | " | |
| 895 | 1832 | भारतंपञ्चमस्कन्धः (भाषा) | पू | |

| L.No. | S.No. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषाः |
|---|---|---|---|---|
| 876 | 1833 | अध्यात्मरामायणं | | अ |
| 897 | 1834 | तदैव (भाषा) | | ,, |
| 878 | 1835 | रामायणं सुन्दरकाण्डं | | ,, |
| 886 | 1836 | अध्यात्मरामायणं भाषा | | ,, |
| 15[illegible] | 1837 | ,, | | ,, |
| 1575 | 1838 | शिवरात्रिमाहात्म्यं | | पु |
| 18 | 1839 | भारतं भाषा | | अ |

समाप्तम् शुभम्

| L.N.S.N. | ग्रन्थनामानि | ग्रन्थकर्तृनामानि | विशेषः |
|---|---|---|---|
| 876 1833 | अध्यात्मरामायणं | | अ |
| 897 1834 | तदेव (भाषा) | | ,, |
| 878 1835 | रामायणं सुन्दरकाण्डं | | ,, |
| 886 1836 | अध्यात्मरामायणं | भाषा | ,, |
| 15[illegible] 1837 | ,, | | ,, |
| 1575 1838 | शिवरात्रिमाहात्म्यं | | पु |
| 18 1839 | भारतं भाषा | | अ |

समाप्तम् शुभम्

END